पारा आपडेट
मैक्सिमम 29.00 | मिनीमम 13.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.49
सूर्योदय (कल) ▸ 06.15
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 82,319.89 ● निफ्टी 25,459.35 ● डॉलर 90.92 ₹ ● सोना 1,57,290 ₹ ● चांदी 2,90,000 ₹

पेज 06 विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र? पेज 08 पाकुड़ में जनता दरबार में उपायुक्त...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

फाल्गुन शुक्ल पक्ष नवमी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 08 अंक : 233 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है।
इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

संक्षिप्त खबरें

प्रवर्तन निदेशालय का कोयला घोटाले में एलबी सिंह को समन

रांची। कोयला घोटाले की जांच में जुटी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनबाद के चर्चित कोयला कारोबारी एलबी सिंह को समन जारी किया है। उन्हें 27 फरवरी को रांची स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होकर पूछताछ में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। ईडी ने एलबी सिंह के भाई कुंभनाथ सिंह को भी 24 फरवरी को पूछताछ के लिए समन भेजा था, लेकिन वह निर्धारित तिथि पर ईडी कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। उल्लेखनीय है कि कोयला घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने एलबी सिंह, कुंभनाथ सिंह और अन्य संबंधित लोगों के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और लेन-देन से जुड़े कागजात जब्त किए गए थे। जांच एजेंसी को छापेमारी और पूर्व पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली हैं। इन्हीं दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर एलबी सिंह को समन जारी किया गया है।

मेरठ में भीषण आग से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र स्थित किदवई नगर इलाके में सोमवार देर रात एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को सभी का मुस्लिम रीति रिवाज से अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्राथमिक जांच में शार्टसर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। इस हादसे में आसिम की पत्नी रुखसार (30), उनका तीन वर्षीय बेटा अकदस, जुड़वां बेटियां नबिया और इनायत के अलावा फारूक के बच्चे, मेहविश (12) और हम्माद (4) की मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण झुलसना और दम घुटना बताया गया।

सेना ने थार रेगिस्तान में हथियारों से 'अग्नि वर्षा' कर युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली/पोखरण (राजस्थान)। सेना की दक्षिणी कमान ने मंगलवार को यहां राजस्थान की मरू भूमि स्थित पोखरण फायरिंग रेंज में 'अग्नि वर्षा' अभ्यास के दौरान समकालीन हथियारों और प्रौद्योगिकी के जरिये अपनी एकीकृत ताकत तथा मारक क्षमता का जोरदार प्रदर्शन किया। इस अभ्यास ने वास्तविक रणमाहौल में हथियारों के समन्वित इस्तेमाल, लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता तथा नेटवर्क-सक्षम कमान एवं नियंत्रण प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रमाणित किया।

एयर एम्बुलेंस हादसा : मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पहुंचे चतरा सदर अस्पताल

स्वास्थ्य मंत्री ने की दुर्घटना की विस्तृत समीक्षा, बोले-होगी उच्च स्तरीय जांच

संवाददाता

चतरा/रांची। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र में एयर एंबुलेंस क्रैश में सात लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मंगलवार को चतरा सदर अस्पताल पहुंचे और स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

स्वास्थ्य मंत्री ने जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और सिविल सर्जन के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर मामला विमानन सुरक्षा मानकों और उड़ान संचालन प्रक्रिया से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। विशेषज्ञ टीम को जांच के लिए बुलाया गया है।

मंत्री ने बताया कि ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) की गहन जांच की जाएगी। इसके साथ ही मौसम की स्थिति, एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संवाद, विमान के मेंटेनेंस रिकॉर्ड और पायलटों के अनुभव की भी जांच होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि तकनीकी जांच के लिए दिल्ली से विशेषज्ञों की टीम पहुंचेगी, जो ब्लैक बॉक्स बरामद करने का प्रयास करेगी, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

सोमवार देर रात को हुआ था हादसा

दरअसल, रांची से दिल्ली जा रही रेडबर्ड एयरवेज प्रा.लि. की एयर एंबुलेंस सोमवार देर रात चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र स्थित कसियातु जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने देर रात तक सभी शव बरामद कर लिए थे। विमान ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ समय बाद कोलकाता एटीसी से संपर्क टूट गया, जिसके बाद रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर को सक्रिय किया गया। खोजबीन के दौरान विमान का मलबा कसियातु जंगल में मिला। विमान में दो पायलट कैप्टन विवेक और कैप्टन सबराजदीप के अलावा मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी, भगीना ध्रुव कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता तथा पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा सवार थे। सभी की मौके पर ही मौत हो गई थी।

खराब मौसम को माना जा रहा कारण

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में खराब मौसम को हादसे का संभावित कारण माना गया है। सोमवार देर शाम अचानक मौसम बिगड़ गया था। तेज हवा और झमाझम बारिश के बीच विमान अपने निर्धारित रूट से दाईं ओर डायवर्ट हो गया और संभवतः रास्ता भटक गया। ग्रामीणों ने जंगल से तेज धमाके की आवाज सुनने के बाद पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। बहरहाल, इस हादसे के बाद से मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है। राजनेताओं ने भी शोक-संवेदना वयक्त की है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच राज्य सरकार ने सरकार ने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता और मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। हादसे की आधिकारिक जांच जारी है और पूरे राज्य में शोक का माहौल है।

वित्त मंत्री ने सदन में किया पेश 1,58,560 करोड़ का अबुआ बजट

गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा क्षेत्रों को प्राथमिकता

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले हेमंत सोरेन सरकार ने 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया था।

- अबुआ दिशोम बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर लाएगा मुस्कान, गरीबों का पोंछेगा आंसू : राधा कृष्ण किशोर
- केंद्र से लंबित 16 हजार करोड़ और अन्य वित्तीय बोझ का जिक्र
- पांच बालिका आवासीय विद्यालय, 100 उत्कृष्ट विद्यालय बनेंगे

झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की ओर से पेश किए गए बजट में कृषि गतिविधियों में लगी महिलाओं के लिए एक योजना की घोषणा की गई। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग गरीब, किसान, आदिवासी और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि अबुआ दिशोम बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा और गरीबों के आंसू पोंछेगा। महिला किसानों के लिए महिला खुशहाली योजना शुरू की जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा यहां देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर और राजरप्पा मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के साथ-साथ नेतरहाट जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी हैं। राज्य सरकार लोगों की समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से बाधाएं उत्पन्न किए जाने के बावजूद हम झुकेंगे नहीं और राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने झारखंड को पर्याप्त वित्तीय सहायता न देकर केंद्र पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य को केंद्रीय करों में 5,000 करोड़ रुपये का हिस्सा नहीं मिला और अनुदान सहायता के रूप में 11,000 करोड़ रुपये भी नहीं मिले। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी धीरे-धीरे घट रही है। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी (वीबी-जी राम जी) के कारण राज्य को 5,640 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कोयला आपूर्ति के बदले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि का भुगतान न करने को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

महिला किसानों पर भी ध्यान केंद्रित

वित्त मंत्री ने कहा कि महिला किसान खुशहाली योजना प्रारम्भ की गयी है, जिसके अंतर्गत महिला किसानों को एकीकृत खेती से जोड़कर अद्यतन तकनीक की मदद दी जाएगी और ऑफलाईन एवं ऑनलाईन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 25 करोड़ का बजटीय उपबंध किया गया है। गन्ना, जूट एवं अन्य नकदी फसलों का क्षेत्र विस्तार किया जाएगा। इसके लिए पुरानी योजना को 'नकदी फसल विकास एवं विस्तार योजना' पुनर्नामित करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 19 करोड़ 88 लाख रुपये का बजटीय उपबंध किया गया है।

सरकारी स्कूलों का एलान

सरकारी विद्यालयों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु हेमन्त सरकार कृत संकल्पित है। इस सोच के साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य सरकार ने धनबाद में 2 तथा पलामू, लातेहार एवं गढ़वा में 1-1 कुल 5 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय के निर्माण का निर्णय लिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 100 नये उत्कृष्ट विद्यालय के संचालन का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार के विशेष पहल पर शहीद के आश्रितों के लिए एक आदर्श विद्यालय की स्थापना और संचालन की व्यवस्था की जाएगी। 17 पोलिटेकनिक संस्थान जे प्रगति योजना के तहत आइआइटी और एनआइटी के तहत विकसित होगा। चतरा में आंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। लातेहार, साहेबगंज तथा सरायकेला सदर अस्पताल मेडिकल कॉलेज के रूप में होंगे विकसित।

कैंसर रोग की रोकथाम पर फोकस

उन्होंने कहा कि कैंसर रोग की रोकथाम के लिए झारखंड के सभी पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीईटी और सीटी स्कैन मशीन का अधिष्ठापन किया जाएगा। प्रारंभिक अवस्था में ही ब्रेस्ट कैंसर रोग की पहचान कर लिए जाने के उद्देश्य से राज्य के सभी 24 जिला सदर अस्पताल में मैमोग्राफी मशीन स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कैथलैब की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा राज्य में 750 अबुआ दवाखाना खोले जाने का लक्ष्य है। इसके माध्यम से लोगों में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवा उपलब्ध करायी जाएगी। प्रथम चरण में धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा और खूंटी के सदर अस्पतालों को पीपीपी मोड में विकसित कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल बनाया जाएगा। दूसरे चरण में साहिबगंज और सरायकेला के सदर अस्पतालों को पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। आगामी चार वर्षों में एमबीबीएस की सीटों को दोगुना किया जाएगा। साथ ही राज्य में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना चतरा में की जाएगी।

पर्यटन स्थलों के विकास पर जोर

वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पर्यटन के क्षेत्र में रांची जिलान्तर्गत दशम और जोन्हा जलप्रपात में ग्लास ब्रिज और रोप-वे का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा हुण्डरू जलप्रपात रोप-वे का विकास कार्य कराया जाएगा। रामगढ़ जिलान्तर्गत रजरप्पा में पर्यटकीय विकास के साथ-साथ पतरातु में स्कइवॉक एवं पतरातु जलाशय में सोलर बोट तथा फ्लोटिंग रेस्टोरेन्ट का अधिष्ठापन किया जाएगा।

पंजाब नैशनल बैंक व राज्य सरकार के बीच एमओयू

व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हरेक क्षेत्र में बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण : सीएम

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक एवं राज्य सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर हो रहा है। पंजाब नैशनल बैंक आज राज्य सरकार के साथ एक नए अध्याय के रूप में जुड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस के साथ-साथ राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों की आर्थिक लेन-देन की कड़ी में बैंक की अहम भूमिका होती है। वर्तमान समय में व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हरेक क्षेत्र में बैंक की बड़ी भूमिका होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी कार्यों के साथ-साथ कई संस्थानों की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसी क्रम में आज राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। इससे पहले भी राज्य सरकार एवं अन्य बैंकों के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हुए हैं और उक्त एमओयू के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया भी जा रहा है। मुझे विश्वास है कि जिस उद्देश्य से पंजाब नैशनल बैंक राज्य सरकार के साथ जुड़ी है उस उद्देश्य और कर्तव्य को सफलता पूर्वक पूरा करेगी। राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बेहतर समन्वय का लाभ राज्य सरकार के कर्मचारियों सहित आम जनमानस को भी मिलेगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित झारखंड सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के मध्य राज्य सरकार कर्मचारियों के वेतन खाता पैकेज का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में अपने संबोधन में कही। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से एमओयू हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

- राज्य सरकार कर्मचारियों के वेतन खाता पैकेज को लेकर हुआ समझौता
- सीएम ने वित्त विभाग द्वारा तैयार झारखंड कुबेर डैशबोर्ड का किया शुभारंभ

इस अवसर पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महाप्रबंधक पंजाब नैशनल बैंक आशीष कुमार चतुर्वेदी, मंडल प्रमुख रांची अवधेश झा, उप मंडल प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव सहित राज्य सरकार के अन्य अधिकारी एवं पंजाब नैशनल बैंक के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंडमान में टला बड़ा हादसा, समुद्र में समाया पवन हंस हेलीकॉप्टर

मौत को मात देकर सुरक्षित लौटे सवार सभी सात यात्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। झारखंड में हुए भीषण एयर एम्बुलेंस हादसे के अभी 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि अंडमान के समुद्र से एक और विमान हादसे की खबर ने देश को दहला दिया। मंगलवार सुबह अंडमान के मायाबंदर के पास 'पवन हंस' का एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के बाद समुद्र में क्रैश हो गया। हालांकि, सुखद बात यह रही कि इसमें सवार सभी 7 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

मंगलवार की सुबह करीब 9:30 बजे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मायाबंदर के पास एक पवन हंस हेलीकॉप्टर समुद्र में गिर गया। हेलीकॉप्टर ने श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) से सुबह 8:45 बजे उड़ान भरी थी। इसमें 2 क्रू मेंबर और 5 यात्री सवार थे। उड़ान के कुछ समय बाद ही तकनीकी खराबी आई, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए समुद्र में क्रैश-लैंडिंग की। समय रहते चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन की बदौलत सभी को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कैबिनेट केन्द्रीय कैबिनेट ने 9,072 करोड़ की तीन रेल मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

बिहार और झारखंड के आठ जिलों को करेंगी कवर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 9,072 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीईए की हुई बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत परियोजनाओं में गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण, पुनारख-किऊल तीसरी एवं चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी एवं चौथी लाइन शामिल हैं। ये तीनों परियोजनाएं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के आठ जिलों को कवर करेंगी और इनके माध्यम से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 307 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

- स्वीकृत परियोजनाओं में गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण, पुनारख-किऊल तीसरी एवं चौथी लाइन तथा गम्हरिया-चांडिल तीसरी एवं चौथी लाइन शामिल हैं

इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 5,407 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जिनकी कुल आबादी करीब 98 लाख है। लाइन क्षमता में वृद्धि से परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम होगी। परियोजनाएं प्रधानमंत्री की 'न्यू इंडिया' की परिकल्पना के अनुरूप क्षेत्रीय विकास को गति देंगी और रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि कर स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगी।

पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क और बेहतर होगा

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एकीकृत योजना और बहु-मोडल संपर्क को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही सुगम होगी। क्षमता विस्तार से जबलपुर स्थित कचनार शिव मंदिर, बालाघाट का कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, पेंच राष्ट्रीय उद्यान, धुआंधार झरना, चांडिल बांध तथा दलमा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क और बेहतर होगा।

देश की लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी

ये मार्ग कोयला, इस्पात, लौह अयस्क, सीमेंट, फ्लाई ऐश, उर्वरक, खाद्यान्न और पेट्रोलियम पदार्थ (पीओएल) जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्षमता वृद्धि से लगभग 52 मिलियन टन प्रतिवर्ष अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी। रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन साधन होने के कारण इन परियोजनाओं से देश की लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, तेल आयात में लगभग 6 करोड़ लीटर की बचत होगी तथा लगभग 30 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

केंद्र ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम्' करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम्' किए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नए 'सेवा तीर्थ' में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले साल जून में राज्य सरकार ने राज्य का नाम 'केरलम्' किए जाने को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने के बाद अब इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल को सौंपा गया वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट

रांची। संतोष कुमार गंगवार से राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान वित्त मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के राज्य बजट की प्रति राज्यपाल को समर्पित की।बैठक के अवसर पर राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार भी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान आगामी वित्तीय वर्ष की प्राथमिकताओं एवं बजट प्रावधानों पर संक्षिप्त चर्चा हुई। यह भेंट बजट सत्र की औपचारिक प्रक्रिया का हिस्सा मानी जा रही है।

सिर्फ कागजों में बजट: जयराम महतो

रांची। राज्य सरकार द्वारा पेश बजट पर जेएलकेएम विधायक जयराम महतो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बजट को सिर्फ कागजों में लोकलुभावन करार देते हुए कहा कि इसमें आकर्षक घोषणाएं और बड़ी-बड़ी योजनाएं तो दर्शाई गई हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित राशि किस मद में और कितनी खर्च हुई, इसका स्पष्ट ब्योरा तक सत्तापक्ष के कई जनप्रतिनिधियों के पास उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नए बजट की घोषणाओं पर भरोसा करना कठिन है। विधायक ने सवाल उठाया कि जब पूर्व में स्वीकृत योजनाओं का पारदर्शी आकलन और हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया है, तो नई योजनाओं की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार आंकड़ों और घोषणाओं के सहारे जनता को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है, जबकि अपेक्षित स्तर पर वास्तविक विकास कार्य नजर नहीं आते। जयराम महतो ने मांग की कि पिछले बजट में खर्च की गई राशि का श्वेत पत्र जारी किया जाए, ताकि स्थिति स्पष्ट हो और पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि बजट केवल दस्तावेजों और भाषणों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका सीधा लाभ गांव, गरीब और आम नागरिक तक पहुंचे।

अबुआ दिशोम बजट से विकास को नई दिशा: दूबे

रांची। झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपये का अबुआ दिशोम बजट पेश होने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बधाई दी। दूबे ने बजट को सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का सशक्त दस्तावेज बताते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने आउटकम, जेंडर और बाल बजट को पारदर्शिता बढ़ाने की ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को जेएचआईटी के रूप में विकसित करने, चतरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना तथा मेडिकल कॉलेजों में पीईटी-सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने से राज्य में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र मजबूत होंगे। महिला किसान खुशहाली योजना, कोल्ड रूम और कॉपरेटिव मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स जैसी पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगी। दूबे ने विपक्ष से राज्यहित में बजट पारित कराने में सहयोग की अपील करते हुए विश्वास जताया कि यह बजट झारखंड के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला बनेगा।

बजट सराहनीय, विकसित झारखंड की दिशा में मजबूत पहल: आनंद जालान

रांची। एफजेसीसी आई. की सबकमिटी (फिल्म, कला एवं संस्कृति) के चेयरमैन आनंद जालान ने राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की सराहना करते हुए इसे झारखंड के विकास की नई दिशा बताया है। उन्होंने राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जालान ने कहा कि यह बजट नई दिशा, नई पहल का प्रतीक है, जो जल, जमीन और जंगल की समृद्धि के साथ राज्य को खुशहाली की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। हर हाथ को काम, मईया का सम्मान और हर कौम को साथ लेकर चलने की भावना इस बजट में स्पष्ट दिखाई देती है। आनंद जालान ने विश्वास जताया कि यह बजट राज्य में रोजगार सृजन को गति देगा तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल विकसित झारखंड के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

निकाय चुनाव मतगणना बीच में रोके नहीं राज्य सरकार

रांची। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने कहा कि मतदान में पराजित यह सरकार मतगणना में लूट का प्रयास की योजना बना रही। रात 8 बजे मतगणना रोक कर दूसरे दिन पूरा करने के पीछे मंशा ठीक नहीं। कहा कि ऐसे भी सीसीटीवी कैमरा केवल दिखावा है, कोई काम नहीं कर रहा ऐसी सूचना मिल रही। कहा कि रात में कोयला,बालू चोरी के बाद अब वोट चोरी का प्रयास राज्य सरकार कर रही। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मतगणना को बीच ने नहीं रोकने का आग्रह किया। प्रेसवार्ता में कोषाध्यक्ष दीपक बंका,मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रवक्ता प्रतुल शाह देव भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिले पूर्व सीएस सुधीर त्रिपाठी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को लोक भवन में पूर्व मुख्य सचिव सुधीर त्रिपाठी ने मुलाकात की। यह मुलाकात एक शिष्टाचार मुलाकात थी।

परिजनों की डांट से आहत नाबालिग रोहतास से निकलकर मांडर पहुंची, पुलिस ने सुरक्षित किया बरामद

रांची। पारिवारिक विवाद और फटकार से नाराज होकर बिहार के रोहतास जिले की एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी घर छोड़कर मांडर पहुंच गई। सोमवार को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए किशोरी को सुरक्षित संरक्षण में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशोरी रोहतास जिला अंतर्गत सासाराम के कंचनपुर गांव की निवासी है। मांडर क्षेत्र में एक स्थानीय शिक्षिका ने एक अनजान किशोरी को संदिग्ध स्थिति में घूमते देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी सूचना मांडर थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को अपने संरक्षण में लेते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के सहयोग से चुटिया स्थित प्रेमाश्रय भेजा गया। डालसा के सदस्यों द्वारा किशोरी के परिजनों को उसकी सकुशलता की जानकारी दे दी गई है। बताया जाता है कि घर में मेहमानों के मोबाइल चोरी की घटना के बाद परिजनों द्वारा डांट-फटकार और मारपीट से आहत होकर किशोरी पहले सासाराम पहुंची और वहां से ट्रेन के माध्यम से रांची आ गई। फिलहाल किशोरी सुरक्षित है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रांची के विद्यालयों में जागरूकता अभियान

रांची। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न निजी एवं सरकारी विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और स्वच्छता के प्रति उनकी जागरूकता बढ़ाना है।

झारखंड के बजट में कृषि विभाग के लिए 4,884 करोड़ रुपये का प्रावधान : शिल्पी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सदन में पारित 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये का बजट राज्य के भविष्य को नई दिशा देगा। इस कुल बजट में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के लिए 4 हजार 884 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

मंत्री शिल्पी नेहा त्रिकी ने मंगलवार को सदन परिसर में कहा कि यह बजट विशेष रूप से किसानों, महिला कृषकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने महिला किसान खुशहाली योजना प्रारंभ की है, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत महिला किसानों को एकीकृत कृषि मॉडल से जोड़ा जाएगा और आधुनिक तकनीक की सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्हें ऑफलाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा जाएगा।

मंत्री तिर्की ने बताया कि आउटकम बजट के आधार पर इस वर्ष 17 विभागों की 232 महिला संबंधित योजनाओं को शामिल करते हुए जेंडर बजट तैयार किया गया है। इसके तहत कुल 34 हजार 211 करोड़ 27 लाख रुपये की राशि उपबंधित की गई है। उन्होंने कहा कि झारखंड की आर्थिक संरचना मुख्यतः कृषि आधारित है, इसलिए सरकार की प्राथमिकता किसानों को ऋण से मुक्त करना और उनकी आय में वृद्धि करना है। अद्यतन आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार कृषि क्षेत्र में रोजगार का प्रतिशत पिछली तिमाही के 44.3 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गया है।

मंत्री ने बताया कि बिरसा बीज उत्पादन विनिमय वितरण एवं फसल विस्तार योजना के लिए बजट 95 करोड़ से बढ़ाकर 145 करोड़ रुपये किया गया है। मृदा एवं जल संरक्षण के तहत बंजर भूमि राइस फैलो उपयोजना एवं जल निधि उपयोजना के लिए 475 करोड़ 50 लाख रुपये प्रस्तावित है। कृषि समृद्धि योजना (सौर ऊर्जा आधारित) के लिए 75 करोड़ रुपये, कृषि यंत्र वितरण योजना के लिए 80 करोड़ रुपये, जिसके तहत मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, पंप सेट, रीपर और ट्रांसप्लांटर वितरित किए जाएंगे। झारखंड राज्य मिलेट मिशन के लिए 25 करोड़ रुपये। नकदी फसल विकास एवं विस्तार योजना के लिए 19 करोड़ 88 लाख रुपये तथा राज्य उद्यान विकास योजना के तहत 245 करोड़ 80 लाख रुपये का आवंटन किया गया है।

पशुपालन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लिए 481 करोड़ 35 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत गिरिडीह और सरायकेला में 50 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता की नई डेयरियों की स्थापना की जाएगी। साथ ही रांची में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का मिल्क पाउडर प्लांट और उच्च क्षमता वाले मिल्क प्रोडक्ट प्लांट की स्थापना के लिए झारखंड मिल्क फेडरेशन को सहायता दी जाएगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26: विजिबल क्लीनलीनेस पर विशेष जोर

प्रशासक ने की समीक्षा बैठक

संवाददाता

रांची। केंद्र सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 (10वां संस्करण) के तहत देश के शहरों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। इस सर्वेक्षण में उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त करने हेतु रांची नगर निगम ने विशेष प्रयास किए हैं।सर्वेक्षण के पहले इंडिकेटर वजिबल क्लीनलीनेस में 1,500 अंक निर्धारित हैं, जिसमें शहर के सार्वजनिक स्थल, सड़के, पर्यटन स्थल और अन्य प्रमुख क्षेत्रों की दृश्य स्वच्छता पर विशेष बल दिया गया है।प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निगम अधिकारियों और कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विजिबल क्लीनलीनेस के तहत चल रहे सफाई कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई।

प्रशासक ने कहा कि यह इंडिकेटर सर्वेक्षण का सबसे महत्वपूर्ण एवं वास्तविक मानक है। उन्होंने शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने को प्राथमिकता बताते हुए कई निर्देश दिए:

रेजिडेंशियल एरिया, पार्क, कमर्शियल एरिया और टूरिस्ट प्लेस में प्रतिदिन दो बार सफाई।

मुख्य मार्गों और बैक लेन्स की नियमित सफाई एवं कचरा उठाव।

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में डस्टबिन स्थापित करने हेतु जागरूकता अभियान।

ड्रेन क्लीनिंग पर युद्धस्तरीय अभियान।

रेड और येलो स्पॉट्स की सफाई एवं गंदगी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित, रांची एयरपोर्ट पर ड्रोन–पैराग्लाइडिंग पर पूर्ण प्रतिबंध

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में 26 फरवरी को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन और प्रस्थान प्रस्तावित है। इस उच्चस्तरीय कार्यक्रम की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट की पूरी परिधि को 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रपति अपने एक दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं जहां भी जमशेदपुर में एक कार्यक्रम में भाग लेंगी।

आदेश जारी

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड दौरे को लेकर एसडीओ सदर कुमार रजत रांची ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसे सभी मानवरहित या हल्के विमानों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिला जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विस्तार से जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि उक्त क्षेत्र में तथा उसके ऊपर इन गतिविधियों का संचालन पूरी तरह निषिद्ध

निषेधाज्ञा 26 फरवरी को प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक लागू रहेगी

निषेधाज्ञा 26 फरवरी को प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक लागू रहेगी। यह कदम राष्ट्रपति के दौरे के दौरान किसी भी संभावित हवाई खतरे को रोका जाना सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर रहेगें व्यापक सुरक्षा इंतजाम

वहीं दूसरी तरफ रांची पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने राष्ट्रपति के दौरे को लेकर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। एयरपोर्ट परिधि में नो फ्लाइंग जोन के अलावा अन्य सुरक्षा उपाय भी सख्ती से लागू किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रतिबंध का पालन करें और किसी भी प्रकार की उल्लंघन से बचें।

सरकार का बजट दिशाहीन, सरकार अपनी प्रशासनिक कमजोरी छिपाने के लिए केंद्र पर दोष मढ़ती है : मरांडी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश होने के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बजट को दिशाहीन बताते हुए सरकार पर निशाना साधा है कहा कि राज्य सरकार हर वर्ष बड़ा बजट पेश करती है, लेकिन उसे प्रभावी तरीके से खर्च करने में विफल रहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई विभागों में आवंटित राशि समय पर खर्च नहीं हो पाती है। जिससे विकास कार्य अधूरे रह जाते हैं। राज्य में आज भी लोग सड़क, नाली, पेयजल और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार आंकड़ों का खेल खेल रही है, जबकि जमीनी सच्चाई अलग है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अपनी प्रशासनिक कमजोरी छिपाने के लिए केंद्र पर दोष मढ़ती है।

रिम्स-2 के निर्माण को लेकर बालूलाल मरांडी ने सवाल

उठाए। उनका कहना है कि जब राज्य में बंजर भूमि उपलब्ध है तो उपजाऊ कृषि भूमि पर निर्माण करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं और सरकार को उनकी भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

वित्त मंत्री ने सीएम को सौंपा बजट 2026-27 का दस्तावेज

संवाददाता

रांची। विधान सभा में बजट सत्र के दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वर्ष 2026-27 का बजट पेश करने से पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को बजट की प्रति औपचारिक रूप से सौंप दी।

विधानसभा परिसर में आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। वित्त मंत्री ने बजट को राज्य के सर्वांगीण विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ग्रामीण विकास को गति देने वाला बताया।

मुख्यमंत्री ने बजट दस्तावेज प्राप्त करते हुए कहा कि यह बजट राज्य के समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रस्तावित योजनाएं आम जनता, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं।

बजट सत्र के दौरान सदन में विस्तृत चर्चा के बाद विभिन्न विभागों के लिए आवंटन पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज को मिली नई ताकत

बजट में गांवों के समग्र उत्थान पर जोर

जेंडर बजटिंग को 35 प्रतिशत तक बढ़ाकर महिलाओं को बराबरी का अवसर दिया गया है

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का अबुआ दिशोम बजट ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य और पंचायती राज को सशक्त बनाने वाला दूरदर्शी दस्तावेज साबित हो रहा है। इस बजट में राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्राथमिकता गांव, गरीब, महिला, युवा और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

विभागवार प्रावधानों के अनुसार

रामीण विकास विभाग का बजट वर्ष 2025-26 के 9,841 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12,347 करोड़ रुपये किया गया, जो आजीविका सृजन, आवास, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को गति देगा। ग्रामीण कार्य विभाग का बजट 4,576 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,081 करोड़ रुपये हुआ, जिससे ग्रामीण सड़कों, पुल-पुलियों और आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण होगा। पंचायती राज विभाग का बजट 2,144 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,283 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया, जो पंचायतों को सशक्त बनाने और स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने में सहायक होगा। दीपिका पांडेय सिंह ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं के लिए संचालित 250 योजनाओं के माध्यम से लगभग 34,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जेंडर बजटिंग को 35 प्रतिशत तक बढ़ाकर महिलाओं को बराबरी का अवसर दिया गया है।

वहीं, चाइल्ड बजटिंग के तहत 132 योजनाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि निर्धारित की गई है।

मंत्री ने बताया कि बजट का उद्देश्य केवल गांवों का ढांचा बदलना नहीं है, बल्कि ग्रामीण जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाना है। उन्होंने केंद्र से बकाया लगभग 1,300 करोड़ रुपये की शीघ्र रिलीज की अपील करते हुए कहा कि विभाग गांवों की तस्वीर बदलने और ग्रामीण समाज के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

इस बजट से झारखंड न केवल ग्रामीण विकास में मजबूती पायेगा, बल्कि देश के मानचित्र पर एक सशक्त और समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित होगा।

रांची रेलवे स्टेशन के आसपास के 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का किया गया औचक निरीक्षण

9 खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना, अन्य को नोटिस

वरीय संवाददाता

रांची। आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को रांची रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित कुल 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य पर्व के दौरान लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराना था।

निरीक्षण के दौरान कुलदीप होटल, होटल एम्बेसडर, होटल कृष्ण, लवली डेयरी, अन्नपूर्णा भोजनालय, आर.के. भोजनालय, होटल मानसरोवर, होटल मां डेयरी, तंदूर फूड वैन, एम्बसी फूड प्लाजा, सन्नी रेस्टोरेंट, शिवम खाजा भंडार, कुशवाहा खाजा भंडार, पंजाबी बार एंड रेस्टोरेंट तथा खालसा रेसिडेंसी का निरीक्षण किया गया। जांच के क्रम में जिन निबंधित दुकानों में कमियां पाई गईं, उन्हें सुधार हेतु फूड सेफ्टी एंड स्टैंर्ड एक्ट 2006 की धारा-32 के तहत सुधारात्मक नोटिस जारी किया गया। साथ ही कुल 09 खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना की कार्रवाई की गई।

निरीक्षण दल द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता तथा लाइसेंस संबंधी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में कैंसर सर्वाइवर्स मीट में 50 योद्धाओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में कैंसर सर्वाइवर्स के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन मरीजों के लिए समर्पित था, जिनका इलाज अस्पताल के कैंसर सेंटर में चल रहा है या पूरा हो चुका है। कार्यक्रम में करीब 50 कैंसर सर्वाइवर्स को सम्मानित किया गया और उनके साहस को सलाम किया गया। कार्यक्रम में सर्वाइवर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले जिस इलाज के लिए उन्हें मुंबई या दिल्ली जाना पड़ता था, वह अब रांची में ही उपलब्ध है। मरीजों ने डॉक्टरों की विशेषज्ञता की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल का माहौल काफी दोस्ताना है और इलाज भी अपेक्षाकृत किफायती है।

इस अवसर पर हॉस्पिटल के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ गुंजेश कुमार सिंह ने कहा कि कैंसर अब लाइलाज बीमारी नहीं है। सही समय पर जांच और आधुनिक उपचार से अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। हमारा उद्देश्य मरीजों को विश्वस्तरीय इलाज स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है।

सीनियर कंसल्टेंट, हेड एंड नेक सर्जरी डॉ मदन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हेड एंड नेक कैंसर के मामलों में समय पर सर्जरी और मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच बेहद जरूरी है।

रांची के सेंट्रल यूनिवर्सिटी में सीबीआई की दबिश

वित्तीय अनियमितता को लेकर हुई छापेमारी

वरीय संवाददाता

रांची। रांची के सेंट्रल यूनिवर्सिटी में सीबीआई की टीम ने दबिश दी है। मंगलवार को आधा दर्जन से ज्यादा वाहनों से सीबीआई की टीम रांची के चेरी मनातू स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी पहुंची। मिली जानकारी के अनुसार वित्तीय अनियमितता को लेकर सीबीआई की टीम यूनिवर्सिटी में जांच करने के लिए पहुंची, और अपनी जांच की प्रक्रिया को शुरू किया. जिस समय सीबीआई की टीम सेंट्रल यूनिवर्सिटी पहुंची उस दौरान यूनिवर्सिटी में छात्र अपने-अपने क्लासरूम में पढ़ाई कर रहे थे, जैसे ही सीबीआई की टीम के आने की सूचना मिली, यूनिवर्सिटी कैंपस में हड़कंप मच गया। सीबीआई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुराने वित्तीय अनिमितता को लेकर यूनिवर्सिटी में जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार भवन निर्माण फंड के आवंटन के साथ-साथ सेंट्रल यूनिवर्सिटी में की गई नियुक्तियों की जांच एक साथ की जा रही है।

मोबाइल जब्त फाइलो की जांच

सीबीआई की टीम यूनिवर्सिटी पहुंचते ही कार्यालय में मौजूद सभी लोगों के फोन अपने पास जमा करवा लिए और सभी को बैठने को बोल दिया। यूनिवर्सिटी कार्यालय में दर्जनों फाइलों को सीबीआई की टीम जांच कर रही है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी में सीबीआई की यह पहली छापेमारी नहीं है, पूर्व में भी सीबीआई की टीम यूनिवर्सिटी में अपनी दबिश डाल चुकी है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बोकारो थर्मल में आंधी-पानी से तबाही

बोकारो। सोमवार की काली रात बोकारो थर्मल और आसपास के इलाकों के लिए दुश्वारियों भरी रही। अचानक आए प्रचंड तूफान और मूसलाधार बारिश ने ऐसा कहर बरपाया कि समूची आवासीय कॉलोनी अंधेरे के आगोश में समा गई। प्रकृति के इस रौद्र रूप के कारण बिजली व्यवस्था पूरी रात वेंटिलेटर पर रही और जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।तूफान की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुभाष नगर स्थित पुराने सिविल ऑफिस के समीप 11 केवी लाइन का इंसुलेटर जोरदार धमाके के साथ फट गया। इससे हाई-वोल्टेज तार टूटकर जमीन पर आ गिरा, जिसके परिणामस्वरूप सिक्स यूनिट, रेलवे स्टेशन, लेबर क्वार्टर, निशन हाट, मुर्गी फार्म, जीएम कॉलोनी और गोविंदपुर बस्ती जैसे विस्तृत क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। आधी रात को अचानक हुए इस ब्लैकआउट से हजारों लोग उमस और अंधेरे से जूझने को मजबूर हो गए। बिजली संकट के साथ-साथ शहर की बदहाल सड़कों ने लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया। झारखंड चौक से बैंक ऑफ इंडिया और अंबेडकर नगर से रेलवे स्टेशन हनुमान मंदिर तक की सड़कें कीचड़ के दलदल में तब्दील हो गईं। दरअसल, एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) कार्य के लिए बिछाई गई पाइप लाइनों हेतु सड़कों की खुदाई की गई थी। बारिश होते ही वहां जमा मिट्टी ने फिसलन और कीचड़ का ऐसा जाल बुना कि दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों का निकलना दूभर हो गया।

एसडीपीओ की नाक पर हमले के आरोपी पार्षद प्रत्याशी को भेजा जेल

बोकारो। चास नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड-32 में सोमवार को जो हाई-वोल्टेज ड्रामा और हिंसा हुई, उसने लोकतंत्र के उत्सव को दागदार कर दिया। मतदान के दौरान ड्यूटी पर तैनात एसडीपीओ और अन्य पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने वार्ड पार्षद प्रत्याशी रेखा देवी के पति रामाशंकर सिंह (निवासी सरदार मोहल्ला) को मंगलवार को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। थाना प्रभारी सुषमा कुमारी की लिखित शिकायत पर दर्ज इस प्राथमिकी में सरकारी कार्य में बाधा डालने, फर्जी मतदान का प्रयास करने और पुलिस पदाधिकारियों के साथ मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि सोमवार दोपहर करीब 2:15 बजे वार्ड-32 के वन विश्रामागार स्थित मतदान केंद्र पर अराजकता की स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिली कि कुछ लोग जबरन बूथ में घुसकर फर्जी मतदान का दबाव बना रहे हैं। जब थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं, तो पाया कि प्रत्याशी पति रामाशंकर सिंह कतार में खड़े मतदाताओं को अपनी पत्नी के पक्ष में वोट देने के लिए खुलेआम धमका रहे थे। मना करने पर वे और उनके समर्थक सुरक्षाकर्मियों से उलझ गए। आरोप है कि पार्षद प्रत्याशी रेखा देवी ने महिला थाना प्रभारी सुनीला लिंडा के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसी बीच आरोपी रामाशंकर ने महिला थाना प्रभारी के हाथ से चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज छीनकर फाड़ दिए और जोर-जोर से नारेबाजी करते हुए सरकारी कार्य में अवरोध उत्पन्न करने लगा।

बोकारो रेलवे स्टेशन हत्याकांड का खुलासा, 15 मुकदमों वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

बोकारो। बोकारो रेलवे स्टेशन के पास बीते 22 फरवरी को हुए चर्चित सचिन यादव हत्याकांड की गुत्थी को पुलिस ने महज 48 घंटों के भीतर सुलझा लिया है। इस सनसनीखेज वारदात के पीछे की मुख्य वजह जीजा के साथ हुई मारपीट का बदला लेना सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी बलराम कुमार उर्फ भोलू विश्वकर्मा (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके पास से हत्या में प्रयुक्त देशी पिस्टल और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के समक्ष दिए गए अपने इकबालिया बयान में आरोपी बलराम उर्फ भोलू ने बताया कि करीब एक महीने पहले मृतक सचिन यादव और उसके दोस्तों ने बलराम के जीजा धनंजय कर्मकार की जमकर पिटाई की थी। इसी अपमान और मारपीट का बदला लेने की आग भोलू के मन में सुलग रही थी, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच लगातार तनाव चल रहा था। घटना वाले दिन यानी 22 फरवरी की शाम को बलराम अपने जीजा धनंजय के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहां टेम्पो स्टैंड के पास फिर से सचिन यादव के साथ उनकी तीखी बहस हो गई। इसी दौरान तैश में आकर बलराम ने देशी पिस्टल निकाली और सचिन यादव को गोली मार दी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने सचिन को मृत घोषित कर दिया था। रेल पुलिस अधीक्षक (जमशेदपुर) के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी अनुसंधान और छापेमारी के आधार पर बालीडीह थाना क्षेत्र के रेलवे गोल मार्केट से भोलू विश्वकर्मा को धर दबोचा। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर एक देशी पिस्टल (मैग्जीन सहित), घटना के समय पहना हुआ सफेद जैकेट और मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार भोलू कोई साधारण अपराधी नहीं है; उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है।

डीसी-एसपी ने मतगणना केन्द्र का किया सघन निरीक्षण, अभेद्य सुरक्षा के बीच होगी वोटों की गिनती

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े मापदंड तय कर दिए हैं। मतगणना प्रक्रिया की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक विस्तृत निषेध सूची जारी की है, जिसका उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चास स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में बनाए गए मतगणना केंद्र की तैयारियों का जायजा लेने सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार स्वयं धरातल पर उतरे। अधिकारियों ने मतगणना हॉल और स्ट्रांग रूम का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम से मतगणना हॉल तक मतपेटियों को लाने-ले जाने के सुरक्षित गलियारे, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाची पदाधिकारियों, अभ्यर्थियों और उनके अभिकताओं के प्रवेश व निकासी के मार्ग अलग-अलग हों, ताकि कहीं भी भीड़ की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, प्रकाश व्यवस्था और अग्निशमन संसाधनों को हर वक्त अलर्ट मोड पर रखने को कहा गया है।

मोबाइल पर पूर्ण प्रतिबंध, मीडिया और मेडिकल के लिए विशेष इंतजाम

अनुशासन को लेकर प्रशासन का रुख बेहद कड़ा है। मतगणना केंद्र के भीतर मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, हालांकि प्राधिकृत मीडिया कर्मियों को मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जाने की छूट दी गई है। केंद्र पर सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक सुसज्जित मीडिया सेंटर, प्राथमिक उपचार हेतु मेडिकल टीम और सहायता के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पारदर्शिता पर जोर, अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि मतगणना की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। यदि कोई भी व्यक्ति अव्यवस्था फैलाने या अफवाह उड़ाने की कोशिश करेगा, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी शफीक आलम और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

पार्किंग और ट्रैफिक के लिए बना मास्टर प्लान

मतगणना के दिन केंद्र के बाहर होने वाली गहमागहमी को देखते हुए वाहन पार्किंग का विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया गया है। अधिकारियों, मतदान कर्मियों, अधिकृत मीडियाकर्मियों और अभ्यर्थियों के वाहनों के लिए अलग-अलग स्थल चिन्हित किए गए हैं। सुचारू यातायात हेतु ट्रैफिक प्लान बनाने और हर महत्वपूर्ण मोड़ पर स्पष्ट साइनेज (दिशा-सूचक बोर्ड) लगाने का आदेश दिया गया है, ताकि आमजनों को असुविधा न हो।

मतगणना के कारण 27 फरवरी को उपायुक्त का जनता दरबार स्थगित

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 की मतगणना को लेकर प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण आगामी 27 फरवरी 2026 को प्रस्तावित उपायुक्त का जनता दरबार स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में विशेष कार्य पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी ने मंगलवार को आधिकारिक जानकारी साझा की। उन्होंने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे 27 फरवरी को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु समाहरणालय में आयोजित होने वाले जनता दरबार में उपस्थित न हों। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस तिथि के पश्चात जनता दरबार पूर्व की भांति अपने निर्धारित समय पर पुनः संचालित किया जाएगा।

प्रवेश द्वार पर सभी व्यक्तियों की होगी सघन तलाशी

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना केंद्र के प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा बल सभी व्यक्तियों की सघन तलाशी लेंगे। यदि किसी के पास से कोई भी प्रतिबंधित सामग्री बरामद होती है, तो उसे तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। यह नियम मतगणना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों, कर्मियों, अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं पर समान रूप से लागू होगा। जिला प्रशासन ने सभी से अपील की है कि शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतगणना संपन्न कराने के लिए इन नियमों का कड़ाई से पालन करें।

अब शांतिदूत बन सुप्रीम तकनीक से न्यायिक विवाद सुलझाएंगे डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. गंगवार

उच्चतम न्यायालय के सर्टिफाइड मीडिएटर बनाए गए

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। शिक्षा के क्षेत्र में विगत साढ़े तीन दशक से सेवारत दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के प्राचार्य डॉ० अवनींद्र सिंह गंगवार की उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। डॉ० गंगवार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलहनामा परियोजना समिति की ओर से मध्यस्थता की अवधारणा एवं तकनीक पर आयोजित 40 घंटे के विशेष प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर एक विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। 18 दिसंबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक हाइब्रिड मोड में चले इस गहन सत्र के उपरांत मंगलवार को विद्यालय परिवार ने इसके लिए उन्हें बधाई दी और इसे संस्थान के लिए गौरव का क्षण बताया। विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने इसे पूरे झारखंड के शिक्षा जगत के लिए एक बड़ा गौरव बताया। इस प्रशिक्षण के साथ ही अब डॉ० गंगवार शिक्षाविद के साथ-साथ एक शांतिदूत की भूमिका में न्यायिक विवादों को सुलझाने में भी अपनी महती भूमिका निभा सकेंगे। एक सर्टिफाइड मीडिएटर के रूप में भी अब वे पहचाने जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस प्रमाणन के साथ ही वे विभिन्न न्यायालयों जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय या स्वयं सुप्रीम कोर्ट के मध्यस्थता केंद्रों में पैनलबद्ध हो चुके हैं। यानी, कोर्ट खुद ऐसे मामलों को उनके पास भेज सकता है, जिन्हें आपसी बातचीत से सुलझाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट की इस प्रतिष्ठित समिति के प्रशिक्षकों - इला रावत एवं राजीव ठकराल के मार्गदर्शन में प्राप्त यह दक्षता मात्र एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि शिक्षा और न्याय के समन्वय की नई दिशा है। आम भाषा में समझें तो मीडिएशन का मतलब है दो पक्षों के बीच के झगड़े या विवाद को बिना कोर्ट-कचहरी जाए, बातचीत और सही तकनीक से सुलझाना। सुप्रीम कोर्ट की मीडिएशन एंड कॉन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी देशभर में ऐसे एक्सपर्ट्स तैयार करती है, जो कानूनी दांव-पेंच के बजाय आपसी सहमति से समाधान निकाल सकें।

बोकारो की सियारी पंचायत का राष्ट्रीय पटल पर बजा डंका, मुंबई क्लाइमेट वीक में लो-कार्बन मॉडल की धूम

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गोमिया प्रखंड की सियारी पंचायत ने अपने अनूठे लो-कार्बन विकास मॉडल के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई है। हाल ही में मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित क्लाइमेट वीक 2026 के दौरान इस पंचायत की पर्यावरण-अनुकूल पहलों को व्यापक स्तर पर सराहा गया।

पांच राज्यों के बीच गूंजी झारखंड की आवाज

पंचायत के मुखिया रामवृक्ष मुर्मू ने पंचायत लीडिंग इंडियाज क्लाइमेट चार्ज सत्र में बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों से आए प्रतिनिधियों के साथ मंच साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह एक छोटी सी पंचायत जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती का सामना स्थानीय स्तर पर कर रही है।

सौर ऊर्जा और नवाचार से बदली पंचायत की सूरत

मुखिया ने अपनी प्रस्तुति में उन चुनौतियों और समाधानों को रेखांकित किया, जिन्होंने सियारी को मॉडल बनाया। उन्होंने बताया कि बार-बार बिजली कटौती से बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी, जिसके समाधान हेतु सीएसआर फंड से 72 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं। विद्यालयों और सामुदायिक भवनों को सोलर सिस्टम से लैस किया गया है। मुख्य तालाब पर सोलर आधारित लिफ्ट सिंचाई पंप स्थापित कर डीजल और अनियमित बिजली पर किसानों की निर्भरता को समाप्त किया गया। साथ ही, 800 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इतना ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन बनाने के लिए भी पंचायत ने ठोस कदम उठाए हैं। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) और बिरसा मुंडा बागवानी मिशन के माध्यम से क्षेत्र में 2,880 आम के पौधों सहित 800 अन्य फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए हैं। इस सफलता के पीछे पंचायत हेल्प डेस्क, पॉलिसी एंड डेवलपमेंट एडवाइजरी ग्रुप, दामोदर बचाओ अभियान और कॉमन ग्राउंड इनिशिएटिव जैसे संगठनों का महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग रहा है। यह पूरी पहल कॉन्फ्रेंस ऑफ पंचायत कार्यक्रम का हिस्सा है, जो पंचायतों को भविष्य के लिए तैयार कर रही है।

इस्पातकर्मियों ने पेश की आत्मनिर्भरता की नई मिसाल

मशीन शॉप की जर्मन रोल ग्राइंडिंग मशीन का कायाकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मशीन शॉप ने तकनीकी कौशल और आंतरिक संसाधनों के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्षों पुरानी और परिचालन संबंधी गंभीर बाधाओं से जूझ रही जर्मन निर्मित रोल ग्राइंडिंग मशीन को विद्युत एवं यांत्रिकी अनुरक्षण टीम ने नया जीवन प्रदान किया है। पिछले कुछ समय से यह मशीन बार-बार जाम होने और तकनीकी खराबी के कारण वेंटिलेटर पर थी, लेकिन प्लांट की जांबाज टीम ने इसे फिर से पूरी क्षमता के साथ धड़कने के लिए तैयार कर दिया है। इस जटिल पुनरुद्धार कार्य को अधिशासी निदेशक संकार्य अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक अनुरक्षण शरद गुप्ता और मशीन शॉप के विभागाध्यक्ष पी. पी. सिंह के कुशल मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। मशीन शॉप के वरीय प्रबंधक शुभलेन्दु कुमार, नितिन सक्सेना और सहायक प्रबंधक मनोज कुमार की त्रिमूर्ति ने इस चुनौतीपूर्ण मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान ईटीएल के महाप्रबंधक हरिहर राउत, ईआरएस के सहायक महाप्रबंधक अनिंद्य पाल और वरीय प्रबंधक नवीन कुमार का तकनीकी सहयोग मील का पत्थर साबित हुआ, जबकि संपूर्ण कार्यों का बारीकी से पर्यवेक्षण सहायक महाप्रबंधक डी. के. मंडल ने किया।

बढ़ेगी उत्पादकता, लागत में भारी बचत

मशीन शॉप की इस साहसिक पहल ने न केवल रोल ग्राइंडिंग मशीन की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है, बल्कि इसकी उपलब्धता भी शत-प्रतिशत सुनिश्चित की है। सबसे खास बात यह रही कि यह पूरा कार्य बाहरी एजेंसी के बजाय आंतरिक संसाधनों और विशेषज्ञता से पूरा किया गया, जो बीएसएल की आत्मनिर्भरता और तकनीकी उत्कृष्टता का जीता-जागता प्रमाण है।

बोकारो में 23 केंद्रों पर वाणिज्य संकाय के 1526 विद्यार्थियों ने दी सीबीएसई एकाउंटेंसी की परीक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के क्रम में मंगलवार को वाणिज्य संकाय के महत्वपूर्ण विषय एकाउंटेंसी की परीक्षा आयोजित की गई। बोकारो जिले के सभी 23 परीक्षा केन्द्रों को मिलाकर कुल 1526 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। कुल पंजीकृत 1530 में से 04 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के नगर समन्वयक एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बताया कि परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त रही। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। उन्होंने केन्द्रवार परीक्षार्थियों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि डीपीएस चास में 6, जीजीपीएस चास में 89, होली क्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 01, आदर्श विद्या मंदिर चास में 12, होली क्रॉस बालीडीह में 30, चिन्मय विद्यालय में 97, केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल में 5, क्रिसेन्ट पब्लिक स्कूल में 70, डीपीएस सेक्टर-4 में 80, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में 163, डीएवी स्वांग में 75, केंद्रीय विद्यालय चंद्रपुरा में 56, डीएवी भंडारीदह में 68, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में 127, डीएवी तेनुघाट में 29, डीएवी सेक्टर-4 में 174, डीएवी 6 में 45, पेंटिकॉस्टल असेंबली स्कूल में 20, जीजीपीएस चास में 75, केंद्रीय विद्यालय- 1 बोकारो में 83, सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में 73, पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया में 142 और डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 6 परीक्षार्थी शामिल हुए।

अधिकतर परीक्षार्थियों को आसान लगे पेपर, तो कुछ ने कहा लेन्दी

परीक्षा देकर बाहर निकले परीक्षार्थियों में अधिकतर ने एकाउंटेंसी के प्रश्नपत्र को आसान बताया। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र काफी संतुलित थे। विषय के विशेषज्ञों ने भी कहा कि सभी क्वेश्चन मॉडरेट थे। जिन बच्चों ने थोड़ी सी भी अच्छी तैयारी की होगी, वे निश्चय ही अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। वहीं, कुछ परीक्षार्थियों ने प्रश्नों को लेन्दी और अधिक समय लेने वाला बताया।

विधानसभा में गूंजा दामोदर का दर्द, सरयू राय के सवाल पर सरकार सख्त

पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी को ले डीवीसी सीटीपीएस पर 7.42 लाख का जुर्माना

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में नदियों के अस्तित्व और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा गरमाया रहा। प्रखर विधायक सरयू राय द्वारा दामोदर और कोनार नदी में बढ़ते प्रदूषण तथा अतिक्रमण को लेकर पूछे गए तीखे सवालों पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि डीवीसी के चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट (सीटीपीएस) ने नियमों की धज्जी उड़ाई है, जिसके लिए उन पर आर्थिक दंड भी अधिरोपित किया गया है। विधायक सरयू राय के सवाल के जवाब में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अवर सचिव सुनील कुमार ने सदन को बताया कि चंद्रपुरा पावर प्लांट ने ऐश पॉन्ड विस्तार के दौरान भारी अनियमितता बरती है। जांच में यह सच सामने आया है कि प्लांट प्रबंधन द्वारा दामोदर नदी के बहाव क्षेत्र (हाइएस्ट फ्लड लेवल) के भीतर अवैध रूप से पक्की कंक्रीट की दीवार खड़ी कर दी गई थी। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा 29 जनवरी 2026 को किए गए स्थल निरीक्षण में इस उल्लंघन की पुष्टि हुई है। नियमों की इस अनदेखी पर सरकार ने कड़ा प्रहार करते हुए इकाई पर 7 लाख 42 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का जुमार्ना लगाया है और प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मंत्री ने दिलाया भरोसा- दंडात्मक कार्रवाई के साथ होगी नियमित निगरानी

सदन में चर्चा के दौरान विधायक सरयू राय ने मंगलवार को दोबारा इस मुद्दे को उठाते हुए स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सदन को आश्वस्त किया कि सिर्फ जुमार्ना ही काफी नहीं है, बल्कि सीटीओ (परिचालन-सहमति) के विचलन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में दंडात्मक कदम भी उठाए जाएंगे।विधायक ने बोकारो थर्मल (बीटीपीएस) की पाइपलाइन फटने से कोनार नदी में बह रही छाई (ऐश) का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया। हालांकि, सरकार ने 12 फरवरी के निरीक्षण का हवाला देते हुए फिलहाल किसी भी सक्रिय प्रदूषित बहाव की पुष्टि नहीं की है।

पर्यावरण से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : सरयू

सरकार के इस जवाब से यह साफ हो गया है कि अब औद्योगिक घरानों द्वारा नदी के प्राकृतिक बहाव से छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण पर्षद को अब नियमित अंतराल पर बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा के इलाकों में पैनी नजर रखने का आदेश दिया गया है। रांची से विधायक सरयू राय ने मंगलवार को यह तमाम जानकारियां साझा करते हुए स्पष्ट किया कि पर्यावरण से खिलवाड़ करने वाली इकाइयों को जवाबदेह ठहराना ही उनकी प्राथमिकता है।

श्यामा माई मंदिर में होली महोत्सव के साथ बहने लगी भागवत-ज्ञान की रसधार

भागवत दृष्टि रखकर ही जीवन में सुखी हो पाना संभव : गोविंद कृष्ण शास्त्री

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। मैथिली कला मंच, कालीपूजा ट्रस्ट के तत्वावधान में एक बार फिर फाल्गुन में श्रीमदभागवत कथा का अनूठा सम्मिलन शुरू हुआ। नगर के सेक्टर-2डी स्थित काली मंदिर (श्यामा माई मंदिर) में होली महोत्सव के साथ-साथ श्रीमद्भागवत कथा रस वृष्टि का आयोजन मंगलवार को विधिवत शुरू हो गया। इसके पूर्व, सोमवार को कलशयात्रा के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ था। रंगों की फुहार वाले त्योहार होली में एक बार फिर भागवत ज्ञान के रस में सराबोर करने भागवत भास्कर कृष्णचंद्र ठाकुर जी महाराज के कृपापात्र शिष्य व्यास विग्रह गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज मथुरा के वृंदावन धाम से पहुंचे हैं। मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन दोपहर 3 से संध्या 7 बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 01 मार्च को होली उत्सव, भजन कीर्तन और महाप्रसाद वितरण के साथ यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। मंगलवार को कार्यक्रम में पहुंचे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने गीत-संगीत के साथ आत्मदेव नामक ब्राह्मण और उसकी पत्नी धुंधली की कथा का वर्णन करते हुए भागवत ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में अगर हम सुखी होना चाहते हैं, तो हमें भागवत दृष्टि रखनी होगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से मैथिली कला मंच, काली पूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र झा, महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर सहित यज्ञाचार्य पं. राहुल शर्मा, सुशील कुमार झा के अलावा सैकड़ों की संख्या श्रद्धालु रहे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

विवेकानंद बीएड कॉलेज करमाटांड़ के प्रशिक्षु विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण से लौटे

चंद्रपुरा। स्वामी विवेकानंद बीएड कॉलेज, करमाटांड़ के सत्र 2025-27 के प्रशिक्षु विद्यार्थी चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के बाद सकुशल लौट आए। इस दौरान विद्यार्थियों ने उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क सहित कई ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जगन्नाथ मंदिर, समुद्र तट, कोणार्क के सूर्य मंदिर तथा अन्य दर्शनीय स्थलों का अवलोकन किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य पुस्तकीय ज्ञान से परे व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। विद्यार्थियों को समुद्री तटीय पारिस्थितिकी तंत्र, समुद्री भूगोल, तटीय कटाव, प्राकृतिक संरचनाओं और स्थानीय संस्कृति को नजदीक से समझने का अवसर मिला। प्राचार्य डॉ० मनीष कुमार शुक्ला ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके शिक्षण कौशल में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बनने की प्रक्रिया में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक अनुभव भी उतना ही आवश्यक है। विद्यार्थियों को दस-दस के समूह में विभाजित कर भ्रमण कराया गया।

जारंगडीह स्टेशन पर इंजन की चपेट में आने से रेलवे गार्ड की दर्दनाक मौत

चंद्रपुरा। जारंगडीह रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान रेलवे गार्ड सिद्दीकी अंसारी लगभग 50 वर्ष की इंजन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि सिद्दीकी अंसारी ड्यूटी समाप्त कर चंद्रपुरा लौटने की तैयारी में थे। इसी दौरान इंजन पर चढ़ने के क्रम में उनका पैर फिसल गया और वे पटरी पर गिर पड़े। इससे पहले कि वे संभल पाते, इंजन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी कमर कट गई और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक मूल रूप से झारखंड के जामताड़ा जिले के निवासी थे और वर्तमान में चंद्रपुरा रेलवे कॉलोनी में रह रहे थे। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियों और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। रेलवे कर्मचारियों ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

बंदियो गांव में मारपीट, दंपति सहित कई घायल, दो आरोपी गिरफ्तार

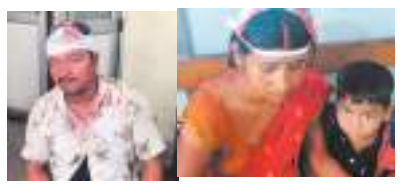

चंद्रपुरा। बंदियो गांव में सोमवार सुबह हुई मारपीट की घटना से क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। इस घटना में दिनेश प्रसाद यादव, उनकी पत्नी बेबी देवी, पुत्र विक्की यादव तथा उनके वृद्ध माता-पिता घायल हो गए। दिनेश प्रसाद यादव ने चंद्रपुरा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि 24 फरवरी की सुबह लगभग नौ बजे मोहम्मद इजराइल, मोहम्मद अल्ताफ, मोहम्मद मेहताब और उनके पिता मोहम्मद समसुद्दीन ने उनके घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला किया। हमले में उनका और उनकी पत्नी का सिर फट गया। बचाव के लिए आए उनके पुत्र विक्की यादव को लोहे की रॉड से मारा गया, जिससे उसका हाथ टूट गया। वृद्ध माता-पिता के साथ भी मारपीट की गई। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 15 फरवरी को भी आरोपियों द्वारा मारपीट की गई थी, जिसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई थी। घायलों का इलाज डीवीसी अस्पताल में कराया गया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। दिनेश के भारतीय जनता युवा मोर्चा के महामंत्री होने के कारण अस्पताल में बड़ी संख्या में भाजपा एवं बजरंग दल के नेता और कार्यकर्ता जुट गए। समर्थकों ने चंद्रपुरा बाजार की दुकानों को बंद कर निमियां मोड़ चौक को जाम कर दिया। लगभग आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा। बाद में पुलिस के समझाने-बुझाने पर जाम हटाया गया। चंद्रपुरा थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

गैरमजरूआ जमीन विवाद को लेकर अंचल कार्यालय का घेराव, जांच की मांग

लावालौंग। लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के हाहे गांव में गैरमजरूआ जमीन को लेकर विवाद गहरा गया है। मंगलवार को ग्रामीणों ने कथित अवैध बिक्री के विरोध में अंचल कार्यालय का घेराव कर धरना दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस भूमि पर भुईयां समुदाय के लोग वर्षों से निवास कर रहे हैं और खेती-बारी के माध्यम से आजीविका चला रहे हैं, उसे कुछ भू-माफियाओं द्वारा एक कंपनी को बेचे जाने की प्रक्रिया चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि पर वे पीढ़ियों से रह रहे हैं, लेकिन कुछ प्रभावशाली लोग इसे अपनी निजी संपत्ति बताकर कंपनियों को हस्तांतरित करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे गांव में आक्रोश और असंतोष का माहौल है। धरना के दौरान ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय में लिखित आवेदन सौंपते हुए मांग की कि जमीन की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कर अवैध लेन-देन पर तत्काल रोक लगाई जाए। उनका कहना था कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सिमरिया रेफर अस्पताल के प्रभारी पर अनियमित उपस्थिति का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

सिमरिया। अनुमंडल क्षेत्र स्थित रेफर अस्पताल एक बार फिर सुर्खियों में है। अस्पताल के प्रभारी पर नियमित रूप से समय पर उपस्थित नहीं रहने के गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों, मरीजों और कुछ अस्पताल कर्मियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रभारी प्रायः सुबह लगभग 11 बजे अस्पताल पहुंचते हैं और दोपहर 2 से 3 बजे के बीच परिसर छोड़ देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दूर-दराज के गांवों से मरीज इलाज की उम्मीद में अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन प्रभारी के समय पर उपलब्ध नहीं रहने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं। कई बार गंभीर मरीजों को बिना उचित मार्गदर्शन के लौटना पड़ता है या घंटों इंतजार करना पड़ता है।

हंटरगंज के प्रवासी मजदूर की रांची में इलाज के दौरान मौत, गांव में पसरा मातम

हंटरगंज। प्रखंड के तिलहेत गांव निवासी प्रवासी मजदूर जगदेव यादव (50) की मंगलवार अहले सुबह रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज के दौरान मौत हो गई। वे कोलकाता में दिहाड़ी मजदूरी करते थे। जानकारी के अनुसार जगदेव यादव 15 दिन पूर्व रोजगार की तलाश में कोलकाता गए थे।

जोखिम की पहचान ही बचाव का आधार : अधिशासी निदेशक दत्त

बीएसएल में सेफ्टी सर्कल कार्यशाला की शुरूआत, जीरो एक्सीडेंट का लक्ष्य

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र ने अपने कार्मिकों की सुरक्षा और कार्यस्थल को अभेद्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में सेफ्टी सर्कल स्कीम के तहत तीन दिवसीय विशेष कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। 26 फरवरी तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य न केवल दुर्घटनाओं पर लगाम लगाना है, बल्कि हर कर्मचारी के भीतर सुरक्षा की एक स्वतः स्फूर्त संस्कृति विकसित करना है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक संकार्य अनुप कुमार दत्त ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं, बिपिन कृष्ण सरतापे तथा मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन नीता बा की उपस्थिति रही।

शुरूआत में नीता बा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा पेश की और बताया कि कैसे यह प्रशिक्षण आने वाले दिनों में संयंत्र के सुरक्षा मानकों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक श्री दत्त ने इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यस्थल पर संभावित खतरों और जोखिमों का सटीक आकलन रिस्क एवं हैजर्ड कैलकुलेशन ही एक सुरक्षित वातावरण की नींव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्यशाला सुरक्षा ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ संयंत्र में एक प्रो-

भिलाई के विशेषज्ञ दे रहे हैं गुरुमंत्र

कार्यशाला को खास बना रहे हैं मुख्य संकाय फैकल्टी के रूप में पधारे क्यूसीएफआई के गोपाल प्रसाद सिंह। भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा के रूप में उनका विशाल अनुभव प्रतिभागियों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। वे खतरा पहचान, जोखिम मूल्यांकन और सतत सुरक्षा सुधार जैसे तकनीकी विषयों पर व्यावहारिक जानकारियां साझा कर रहे हैं। इस पूरे आयोजन का कुशल समन्वय और संचालन प्रबंधक जे. एन. यादव तथा सहायक प्रबंधक एस. के. डी. भौमिक द्वारा किया जा रहा है।

एक्टिव यानी पूर्व-सक्रिय सुरक्षा संस्कृति के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उनका स्पष्ट संदेश था कि हर कार्मिक सुरक्षित रहे, यही प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हाथियों की गतिविधियों पर पैनी नजर के लिए बोकारो प्रशासन ने जारी किया व्हाट्सएप चैनल

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों के निरंतर विचरण और उससे उत्पन्न होने वाले खतरों को देखते हुए जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब हाथियों की ताजा लोकेशन और उनकी गतिविधियों की सटीक जानकारी सीधे नागरिकों के मोबाइल तक पहुंचाने के लिए एक आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल शुरू किया गया है। यह कदम मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने और जनहानि को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस नई व्यवस्था के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीण और नागरिक हाथियों के मूवमेंट, उनके झुंड की वर्तमान स्थिति और वन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों को तत्काल प्राप्त कर सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अक्सर अफवाहों के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बन जाता है, जिससे बचने के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करना श्रेयस्कर है।

हाथियों के अपडेट के लिए इस लिंक का करें प्रयोग

जिला प्रशासन ने अपील की है कि हाथियों से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचित करें। ताजा अपडेट पाने के लिए नागरिक निम्नलिखित लिंक के माध्यम से आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल से जुड़ सकते हैं।

सतर्कता को ही बताया बचाव के उपाय

वन विभाग का मानना है कि समय रहते सूचना मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं और जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से उन संवेदनशील क्षेत्रों के लिए संजीवनी साबित होगी, जहां हाथियों का झुंड अक्सर फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाता है।

बोकारो में 'पापा' लिखी थार का आतंक, बैरिकेडिंग तोड़ पुलिस को कुचलने का प्रयास

नशे में धुत चार रईसजादे धराए, वाहन चेकिंग के दौरान हुई कार्रवाई

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। नगर निकाय चुनाव 2026 की सुरक्षा को लेकर बोकारो पुलिस की मुस्तैदी रंग ला रही है। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर संवेदनशील स्थानों पर चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान रविवार की रात अमृत पार्क गरगा पुल के पास एक खौफनाक मंजर देखने को मिला। नशे में धुत एक थार चालक ने न केवल पुलिस की बैरिकेडिंग को परखच्चे उड़ा दिए, बल्कि ड्यूटी पर तैनात जवानों को कुचलने का भी दुस्साहस किया। किसी तरह पुलिसकर्मियों ने खुद की जान बचाई। पुलिस उपाधीक्षक (नगर) आलोक रंजन एवं पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) विद्या शंकर की निगरानी में बी.एस. सिटी सहित कई थानों की टीम गरगा पुल चेक पोस्ट पर तैनात थी। रात करीब 10:00 बजे एयरपोर्ट की तरफ से एक काले रंग की थार (जेएच09बीएन 4141) आती दिखी, जिसकी नंबर प्लेट पर नंबरों के बजाय स्टाइलिश डिजाइन में पापा लिखा हुआ था। पुलिस ने जब जांच हेतु रुकने का इशारा किया, तो चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार और बढ़ा दी। थार चालक ने सीधे बैरिकेडिंग को टक्कर मार दी और चास की तरफ भागने लगा, जिससे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस की टीम ने भाग रही थार का पीछा कर उसे दबोच लिया। जांच के दौरान चालक भगवती कॉलोमी, चास निवासी शिव कुमार (27) शराब के नशे में पाया गया, जिसकी पुष्टि ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट से हुई। पुलिस ने थार चालक शिव कुमार के साथ वाहन में सवार बिहार कॉलोनी के रहनेवाले नितेश कुमार (26) को भी गिरफ्तार कर लिया है । इन दोनों के विरुद्ध बी.एस. सिटी थाने में सरकारी काम में बाधा डालने और जान जोखिम में डालने जैसी संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया

भाजपा नेता के घर घुसकर तलवार और रॉड से हमला, दंपती समेत पूरा परिवार घायल

घटना के खिलाफ बीजेपी व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने खोला मोर्चा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के बंदियों गांव में मंगलवार की सुबह आपसी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। हमलावरों ने भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री दिनेश प्रसाद यादव के घर में घुसकर पूरे परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। इस खूनी झड़प में दिनेश यादव, उनकी पत्नी बेबी देवी, पुत्र विक्की यादव और उनके वृद्ध माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के बाद इलाके में सांप्रदायिक तनाव और आक्रोश को देखते हुए चंद्रपुरा बाजार बंद करा दिया गया और भारी हंगामा हुआ। पीड़ित दिनेश प्रसाद यादव ने चंद्रपुरा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 24 फरवरी की सुबह करीब 9:00 बजे मो. इजराइल, मो. अलताफ, मो. मेहताब और उनके पिता मो. शमसुद्धीन ने अचानक उनके घर पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने धारदार हथियार से दिनेश पर वार किया। बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी बेबी देवी के साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि छेड़छाड़ का भी आरोप है। हमले में पति-पत्नी दोनों का सिर फट गया है। पिता को बचाने आए पुत्र विक्की यादव पर लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिससे उसका हाथ टूट गया। हमलावरों ने घर के बुजुर्गों को भी नहीं बख्शा और उन्हें लात-घूंसों से जमकर पीटा।

15 फरवरी की शिकायत पर नहीं हुई थी कार्रवाई

दिनेश यादव का आरोप है कि इन्ही लोगों ने बीते 15 फरवरी को भी उनके साथ मारपीट की थी, जिसकी लिखित शिकायत थाने में दी गई थी। लेकिन पुलिस द्वारा समय रहते कार्रवाई न किए जाने से अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए। आवेदन के अनुसार, हमलावर खुलेआम पुलिस को चुनौती देते हुए कह रहे थे कि - थाना हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। घायलों का प्राथमिक उपचार डीवीसी अस्पताल में किया गया।

कोनार डैम में विकास का रोडमैप तैयार

विस्थापितों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर रहेगा फोकस

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। डीवीसी कोनार डैम परियोजना स्थित सीएसआर कार्यालय में मंगलवार को ग्राम विकास सलाहकार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिला परिषद सदस्य शेख तैयब की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विकास योजनाओं का खाका तैयार किया गया। बैठक का मूल उद्देश्य सीएसआर मद के माध्यम से स्थानीय पंचायतों और विस्थापित क्षेत्रों की तस्वीर बदलना रहा।

बैठक में विष्णुगढ़ और गोमिया प्रखंड के जनप्रतिनिधियों ने पिछले वर्ष की योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। सदस्यों ने अब तक हुए कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष प्रकट करते हुए भविष्य की बुनियादी जरूरतों के लिए नए प्रस्ताव साझा किए। चर्चा का मुख्य केंद्र विस्थापित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बहाल करना, स्कूलों की स्थिति सुधारना और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना रहा। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव पटल पर रखे गए। बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि डुमरचंद महतो, विस्थापित संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष दिनेश्वर मंडल, महमूद आलम और नवल सिंह उपस्थित रहे।

सिमरिया के जंगल में रांची-दिल्ली एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, सातों की मौत

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिमरिया। झारखंड के लिए सोमवार की शाम एक बेहद दर्दनाक खबर लेकर आई। रांची से दिल्ली जा रहा एक एयर एंबुलेंस विमान सिमरिया अनुमंडल के घने जंगल क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विमान रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का था, जिसका कॉलसाइन वी टी ए जी टी बताया जा रहा है। हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार विमान 23 फरवरी 2026 को शाम करीब 5:30 बजे रांची एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। उसका निर्धारित आगमन समय रात 8:30 बजे दिल्ली था। लेकिन तय समय तक विमान के दिल्ली नहीं पहुंचने से हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष और संबंधित एजेंसियों में हलचल मच गई। संपर्क टूटने के बाद उसकी लोकेशन का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी बीच सिमरिया क्षेत्र के ग्रामीणों ने रात में आसमान से तेज धमाके जैसी आवाज सुनी। आवाज इतनी भीषण थी कि आसपास के कई गांवों के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। आशंका होने पर कुछ ग्रामीण टॉर्च और साधनों के साथ जंगल की ओर बढ़े। करीब रात 10 बजे जंगल के भीतर विमान का मलबा बिखरा मिला। इसके बाद तत्काल सिमरिया थाना एवं प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल, राहत एवं बचाव दल तथा आपदा प्रबंधन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित कर दिया गया। प्रशासन ने बताया कि मलबे की वैज्ञानिक जांच की जाएगी और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। ब्लैक बॉक्स की तलाश भी जारी है, जिससे हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके। विमान में दो पायलट और पांच अन्य लोग सवार थे। चालक दल में कैप्टन विवेक विकास भागत और कैप्टन सवरजीत सिंह शामिल थे।

चतरा नगर परिषद चुनाव : मतपेटिकाओं का सुरक्षित संग्रहण, वज्रगृह में कड़ी सुरक्षा के बीच अभिरक्षण

चतरा। नगर परिषद आम निर्वाचन के तहत मतदान संपन्न होने के बाद सभी मतदान दलों ने निर्धारित निर्वाचन प्रक्रिया के अनुरूप मतपेटिकाओं को विधिवत सीलबंद कर अन्य निर्वाचन अभिलेखों एवं सामग्री के साथ प्राप्ति केंद्र सह वज्रगृह, चतरा कॉलेज में जमा किया। निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुसार प्रत्येक मतदान दल से मतपेटिकाएं प्राप्त करते समय सीलों की गहन जांच, प्रपत्रों का मिलान और अभिलेखों का सत्यापन किया गया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत मतपेटिकाओं को सुरक्षित रूप से वज्रगृह में अभिरक्षित कर दिया गया।पूरी प्रक्रिया देर रात तक शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित होती रही। वज्रगृह परिसर में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी तथा दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कीर्तिश्री एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल स्वयं उपस्थित रहकर पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते रहे और आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे। प्रशासन ने बताया कि समस्त मतपेटिकाएं सुरक्षित रूप से संरक्षित कर दी गई हैं और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं निर्धारित निर्वाचन मानकों के अनुरूप संपन्न हुई।

फागुन के स्वागत में पलाश के फूलों से महका चंद्रपुरा, प्रकृति मुस्काई

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। फागुन के आगमन के साथ ही चंद्रपुरा क्षेत्र के जंगल और ग्रामीण इलाकों में प्रकृति मानो केसरिया आभा में रंग गई है। बसंत ऋतु की पहचान माने जाने वाले पलाश के फूल इन दिनों पूरे शबाब पर हैं। कहीं इसे बसंत का राजा तो कहीं होली का फूल कहा जाता है। चंद्रपुरा प्रखंड के दुगदा, बुढ़ीडीह, पारटाड़, नर्रा, नसिया तथा आसपास के जंगलों में बड़ी संख्या में पलाश के पेड़ खिले हुए हैं, जो वातावरण को मनमोहक बना रहे हैं। बसंत के मौसम में जहां अधिकतर पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं, वहीं पलाश का वृक्ष पत्तों से लगभग खाली होकर केसरिया फूलों से लद जाता है। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो जंगल में आग की लपटें लहरा रही हों। खेत-खलिहान, सड़क किनारे और पहाड़ी क्षेत्रों में खिले ये फूल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पलाश के फूलों से सजे पेड़ फागुन के आगमन की सूचना स्वयं दे देते हैं। पलाश का महत्व केवल सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह औषधीय गुणों से भी भरपूर है। आयुर्वेद में इसके फल, फूल, छाल और बीज का उपयोग विभिन्न रोगों के उपचार में किया जाता है। इसकी छाल को उबालकर सेवन करने से पथरी और यकृत संबंधी रोगों में लाभ बताया जाता है।

शिक्षकों का जीवन तपस्वियों जैसा, पीढ़ियों की बौद्धिकता के उन्नयन में करें उत्कृष्टतम प्रदर्शन : डॉ. अवनीश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखण्ड प्लस 2 शिक्षक संघ, बोकारो के सचिव डॉ अवनीश कुमार झा ने राज्य के समस्त शिक्षकों से अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टतम प्रदर्शन करने का आह्वान करते हुए शिक्षा और समाज के अंतसंबंधों पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए हैं। डॉ झा के अनुसार शिक्षकों का जीवन किसी तपस्वी से कम नहीं होता, जो अपने ज्ञान, तप, बुद्धि, विद्या और अनुशासन के माध्यम से समाज की कुरीतियों एवं दुर्भावनाओं को जड़ से मिटाने का सामर्थ्य रखते हैं। आज के दौर में जब मोबाइल फोन का दुरुपयोग बढ़ रहा है, उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की है कि वे छात्र-छात्राओं और समाज को स्मार्टफोन के दुष्प्रभावों के प्रति निरंतर जागरूक करें। डॉ झा ने शैक्षणिक गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि जहां पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना अनिवार्य है, वहीं उसका पुनरीक्षण (रिवीजन) भी उतना ही आवश्यक है ताकि विद्यार्थियों का आधार मजबूत हो सके। उन्होंने समाज के हर वर्ग से अपील की है कि वे विद्यालयों और शिक्षकों की मान-मर्यादा का सदैव सम्मान करें, क्योंकि शिक्षकों का समुचित सम्मान ही राष्ट्र की चारित्रिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। इस हेतु उन्होंने सरकार, विभाग और आमजन से शिक्षकों के सकारात्मक प्रयासों को समय-समय पर प्रोत्साहित करने का भी आग्रह किया है।

अभिभावकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए डॉ झा ने विशेष परामर्श दिया है कि वे अपने पाल्यों को समय पर विद्यालय भेजें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चे खाली पेट स्कूल न आएं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

धनबाद

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बजट में धनबाद की उपेक्षा पर उठी आवाज, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा व ओवरब्रिज निर्माण की मांग

धनबाद। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर धनबाद में राजनीतिक एवं सामाजिक प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। समाजसेवी लोकेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य के बजट में वर्षों से धनबाद की अनदेखी होती रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार के बजट में धनबाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराने का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धनबाद कोयलांचल क्षेत्र औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन आधारभूत संरचना के विकास में अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाई है। शहर में लगातार बढ़ती यातायात समस्या से लोग परेशान हैं। जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए विभिन्न स्थानों पर ओवरब्रिज निर्माण की आवश्यकता है। इसके अलावा औद्योगिक विकास को गति देने के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार धनबाद को विशेष औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाती है तो रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा।

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने राज्य के बजट को बताया निराशाजनक

धनबाद। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झारखंड सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा है। लोगों को उम्मीद थी कि बजट में महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा व्यवस्था, जर्जर स्वास्थ्य ढांचे और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस प्रावधान किए जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह बजट घोषणाओं और आंकड़ों तक सीमित है। युवाओं को रोजगार देने की स्पष्ट नीति नहीं दिखाई देती, किसानों को राहत देने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं और न ही महिलाओं, छात्रों तथा मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए कोई प्रभावी योजना सामने आई है। रागिनी सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों में स्पष्टता का अभाव है तथा विभागों के बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि उसे जमीनी स्तर पर परिणाम चाहिए। सरकार को जवाबदेह बनना होगा और विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना होगा।

सिंदरी के समाजसेवी गोयल परिवार को मातृ शोक, शहर में शोक की लहर

सिंदरी। शहर के प्रतिष्ठित एवं समाजसेवी गोयल परिवार की वयोवृद्ध मुखिया श्रीमती शकुन्तला देवी का लगभग 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं और चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी था। सोमवार की शाम अचानक हृदय गति रुक जाने से उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का वे परिवार की आधार स्तंभ थीं और उनके मार्गदर्शन में गोयल परिवार ने सामाजिक, धार्मिक और मानवीय कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। उन्होंने जीवन भर पारिवारिक मूल्यों, संस्कारों और सेवा भावना को प्राथमिकता दी। उनके स्नेह, अनुशासन और मार्गदर्शन से पूरा परिवार एकजुट रहा।अंतिम दर्शन के लिए परिजन, रिश्तेदार, समाजसेवी एवं स्थानीय गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। अंतिम संस्कार पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न किया जाएगा। ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति एवं परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की जा रही है।

होली के अवसर पर 25 गरीब महिलाओं के बीच सामग्री वितरण

तिसरा। होली पर्व के उपलक्ष्य में लोदना क्षेत्र की सुरभि महिला समिति द्वारा गेस्ट हाउस में भगा संख्या 5 में रह रही 25 गरीब महिलाओं के बीच साड़ी, रंग, अबीर, पिचकारी एवं खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित किए गए। सामग्री प्राप्त कर महिलाओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में हिमाद्रि सिन्हा, डेजी कश्यप, मौली सील, पुष्पलता कुमारी, माला विश्वकर्मा, मीना कुमारी, कुमुद शर्मा तथा देवी उपस्थित रहीं। समिति सदस्यों ने कहा कि आगे भी जरूरतमंदों के बीच इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रहेगा।

जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला संतुलित एवं दूरदर्शी बजट : अनुपमा सिंह

धनबाद। झारखंड राज्य के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए धनबाद लोकसभा क्षेत्र की कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने इसे जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला संतुलित एवं दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के गरीबों, किसानों, आदिवासियों, महिलाओं एवं युवाओं सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा आम जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। श्रीमती सिंह ने कहा कि सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। यह बजट वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप होने के साथ-साथ भविष्य की विकास योजनाओं की मजबूत नींव भी रखता है।

उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें और आवेदन लेकर पहुंचे। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रोहड़ा बांध बस्ती से आए एक व्यक्ति ने सेल द्वारा भूमि अधिग्रहण के एवज में देय मुआवजा राशि एवं नियोजन से संबंधित लंबित मामले पर आवेदन प्रस्तुत किया। कंचनपुर की पूजा कुमारी ने अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण-पत्र निर्गत करने में हो रही कठिनाइयों की जानकारी दी। पूर्वी टुंडी से आए अर्जुन कुमार ने अपनी रैयती भूमि पर मकान निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं अमलाटांड़ के मोहम्मद हसन अंसारी ने शौचालय तोड़े जाने, विद्युत आपूर्ति बाधित किए जाने तथा रंगदारी की मांग किए जाने संबंधी गंभीर आरोपों से उपायुक्त को अवगत कराया। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों ने पेंशन, राशन कार्ड, भूमि विवाद, आवास योजना तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित शिकायतें भी प्रस्तुत कीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को शीघ्र जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक मामले में विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनता दरबार का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित नागरिकों ने अपनी समस्याओं को सीधे उपायुक्त के समक्ष रखने की व्यवस्था की सराहना की तथा समाधान की उम्मीद की।

धनबाद में सामान्य प्रेक्षक ने की प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरी की विस्तृत समीक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो ने राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरियों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान धनबाद नगर निगम के महापौर पद तथा सभी 55 वार्डों के वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके साथ ही चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष पद एवं 21 वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी तथा उनके प्रतिनिधि भी मौके पर मौजूद थे।

सामान्य प्रेक्षक ने दोनों निकायों के सभी मतदान केंद्रों से प्राप्त प्रीसाइडिंग ऑफिसर डायरियों को एक-एक कर देखा और मतदान प्रक्रिया से संबंधित प्रविष्टियों का मिलान किया। डायरियों में मतदान आरंभ एवं समापन का समय, मतदान प्रतिशत, प्रयुक्त मतपत्रों/ईवीएम की स्थिति, सीलिंग प्रक्रिया, मॉक पोल की जानकारी तथा किसी प्रकार की आपत्ति या व्यवधान का उल्लेख बारीकी से परखा गया।

समीक्षा के दौरान सामान्य प्रेक्षक ने निवार्ची पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि मतगणना से पूर्व सभी अभिलेखों का विधिवत संधारण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है।

मतदान के दिन मारपीट में घायल युवकों से मिलने एसएनएमसीएच पहुंचे संजीव सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। झरिया क्षेत्र में मतदान के दिन हुई मारपीट की घटना ने इलाके में तनाव का माहौल उत्पन्न कर दिया है। इस घटना में घायल युवकों से मिलने पूर्व विधायक सह मेयर प्रत्याशी संजीव सिंह मंगलवार की दोपहर धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ० डी.के. गेंडोरिया से मुलाकात कर घायलों के स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी ली और चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात वे शल्य चिकित्सा गहन चिकित्सा कक्ष तथा आपातकालीन विभाग में भर्ती घायलों से मिले और उनका हालचाल जाना।।बताया जाता है कि सोमवार को मतदान के दिन झरिया के दास बस्ती क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मतदान कर घर लौट रहे युवकों पर कुछ असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। कुसुण्डा छोटा खारीकाबाद दास बस्ती निवासी ऋतिक कुमार दास पर शाम लगभग छह बजे अज्ञात हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया। इस हमले में उनके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने तत्काल उन्हें शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी घटना में ठाकुर कुल्ही निवासी शशि शेखर भी घायल हुए हैं। दोनों घायलों का इलाज जारी है और आवश्यक चिकित्सकीय जांच की जा रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार ऋतिक कुमार दास का सीटी स्कैन तथा एक्स-रे परीक्षण कराया जा रहा है ताकि आंतरिक चोटों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। अस्पताल पहुंचकर संजीव सिंह ने चिकित्सकों से कहा कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने आवश्यक जाँच और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा तथा परिजनों को आश्वस्त किया कि उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने घायलों के परिजनों से भी बातचीत की और घटना की पूरी जानकारी ली।

परिजनों का आरोप है कि मतदान कर लौटने के दौरान सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। उनका कहना है कि युवकों को निशाना बनाकर मारा गया और हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से वार किए।

राज्य का बजट समावेशी और जनकल्याणकारी, हर वर्ग की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगा : चंद्रदेव महतो

झारखंड दर्शन संवाददाता

बलियापुर। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रदेव महतो ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वार्षिक बजट की सराहना करते हुए इसे विकासोन्मुख, दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बताया है। राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर द्वारा सदन में पेश किए गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास और समृद्धि पहुंचाने का ठोस संकल्प है।

विधायक महतो ने कहा कि सरकार ने इस बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों को केंद्र में रखकर योजनाओं का प्रावधान किया है। उन्होंने विशेष रूप से ह्यमहिला किसान खुशहाली योजनाह्ल को ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा के लिए विशेष बजट आवंटन राज्य के युवाओं के भविष्य को सुदृढ़ करेगा। विद्यालयों में आधारभूत संरचना, शिक्षण संसाधनों और गुणवत्ता सुधार पर जोर दिए जाने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। इससे राज्य के छात्र-छात्राएं प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। सामाजिक सुरक्षा के तहत ह्यमईयां सम्मान योजनाह्ल तथा महिला एवं बाल विकास के लिए बढ़ाए गए प्रावधानों को विधायक ने सरकार की संवेदनशील सोच का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से जरूरतमंद महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा तथा सामाजिक सुरक्षा का दायरा और मजबूत होगा। पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए बजट में किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत गांवों में बसती है। पंचायतों को अधिक अधिकार और संसाधन देकर सरकार ने विकेंद्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

ब्रेन हेमरेज से बीसीसीएल कर्मी की मौत, आश्रित को मिला नियोजन

तिसरा। बस्तकोला क्षेत्र संख्या 9 स्थित बेड़ा कोलियरी में कार्यरत कर्मी तिलक कुमार की ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो जाने के बाद यूनियन और प्रबंधन के बीच वार्ता कर उनके आश्रित को नियोजन प्रदान किया गया। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा के नेताओं की उपस्थिति में मृतक के आश्रित उत्तम कुमार हांड़ी को प्रोविजनल योगदान दिलाया गया। कंपनी अस्पताल से मेडिकल फिटनेस प्राप्त करने के पश्चात 24 फरवरी से उनकी हाजिरी शुरू हो जाएगी। इस संबंध में बेड़ा कोलियरी कार्यालय में लिखित समझौता किया गया। समझौते में प्रबंधन की ओर से परियोजना पदाधिकारी डी. के. सिंह, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक ए. पांडे, क्षेत्रीय प्रबंधक मनोरंजन कुमार सिंह, कोलियरी कार्मिक प्रबंधक प्रतीक झा एवं धर्मेंद्र कुमार सिंह शामिल थे। वहीं यूनियन की ओर से केंद्रीय सचिव आनंदमय पाल, शाखा सचिव पतित पावन माझी, आनंद लाल महतो, शाखा अध्यक्ष लीला चौहान, राम बदन राम, आनंद कोड़ा, उपाध्यक्ष अंजन बोराट, प्रभास पाल एवं नरेश रजक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन से महेश कुमार तथा जनता मजदूर संघ से भारत सिंह, सरोज सिंह एवं एस. के. ज्योति भी मौजूद थे।

सुबह 3:30 बजे सील हुआ स्ट्रांग रूम, त्रिस्तरीय सुरक्षा में रखी गई 1019 बूथों की मतपेटिकाएं

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय आम निर्वाचन 2026 के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद के कुल 1019 मतदान केंद्रों से प्राप्त सभी मतपेटिकाओं को कड़ी सुरक्षा के बीच राजकीय पॉलिटेक्निक स्थित रिसीविंग सेंटर लाया गया। देर शाम से शुरू हुई मतपेटिकाओं की प्राप्ति और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी रात चलती रही। प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद मतपेटिकाओं को निर्धारित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया। अंततः सुबह लगभग 3:30 बजे अंतिम स्ट्रांग रूम को विधिवत सील कर दिया गया।।मतपेटिकाओं को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन द्वारा पूर्व निर्धारित योजना के तहत वार्डवार अलग-अलग कक्ष चिह्नित किए गए थे। धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 1 से 5, 6 से 10, 11 से 15, 16 से 20, 21 से 25, 26 से 30, 31 से 35, 36 से 40, 41 से 45, 46 से 50 तथा 51 से 55 तक की मतपेटिकाओं के लिए पृथक कक्ष बनाए गए। इसी प्रकार चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 21 तक की मतपेटिकाओं को अलग स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया। प्रत्येक कक्ष में मतपेटिकाओं को क्रमवार व्यवस्थित रखने के बाद संबंधित अधिकारियों और प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। स्ट्रांग रूम को सील करने की प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी नगरपालिका सह उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारगे, महापौर पद के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, धनबाद नगर निगम के महापौर, चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष एवं विभिन्न वार्डों के प्रत्याशियों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया। मतगणना की निर्धारित तिथि तक स्ट्रांग रूम को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी झारखंड आर्म्ड पुलिस को सौंपी गई है, जबकि बाहरी दो सुरक्षा घेरों में जिला पुलिस बल की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम परिसर में चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है और अनधिकृत प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतपेटिकाओं की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और पूरी व्यवस्था निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप रहेगी।

बाघमारा विधायक ने विधानसभा में उठाया कंद्रा व कपूरिया विद्यालयों के उन्नयन का मुद्दा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। बाघमारा क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग एक बार फिर विधानसभा में गूंजी। बाघमारा विधायक ने राज्य विधानसभा के चालू सत्र के दौरान स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से कंद्रा एवं कपूरिया स्थित मध्य विद्यालयों के उन्नयन को लेकर विस्तृत प्रश्न पूछा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ विद्यालयों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने सदन में पूछा कि क्या यह सही है कि मध्य विद्यालय, कंद्रा एवं मध्य विद्यालय, कपूरिया में लगभग 350 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए निकटस्थ उच्च विद्यालयों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस पर सरकार की ओर से उत्तर दिया गया कि हां, दोनों विद्यालयों में कुल लगभग 350 विद्यार्थी नामांकित हैं और उन्हें उच्च शिक्षा हेतु निकटवर्ती उच्च विद्यालयों में नामांकन की व्यवस्था उपलब्ध है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मध्य विद्यालय, कंद्रा में 186 तथा मध्य विद्यालय, कपूरिया में 171 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इन विद्यालयों के निकट उच्च विद्यालय, कुंजी लगभग 4 किलोमीटर, डीपीएल एम ए प्लस टू उच्च विद्यालय, नावागढ़, केबी उच्च विद्यालय, महुदा लगभग 5 किलोमीटर तथा उच्च विद्यालय, मालकेरा लगभग 5 किलोमीटर संचालित हैं। विद्यार्थियों को इन्हीं विद्यालयों में आगे की शिक्षा प्राप्त करनी पड़ती है।

विधायक ने यह भी प्रश्न उठाया कि क्या स्थानीय जनता द्वारा वर्षों से इन दोनों मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालय में उन्नयन करने की मांग की जाती रही है। इस पर सरकार ने स्वीकार किया कि स्थानीय स्तर पर लंबे समय से विद्यालयों के उन्नयन की मांग की जा रही है।

षष्ठम झारखंड विधानसभा सत्र में पेश बजट जनभावनाओं के विपरीत और पूरी तरह निराशाजनक : राज सिन्हा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। राज सिन्हा, झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक ने झारखंड विधानसभा के षष्ठम सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को पूरी तरह निराशाजनक और जनभावनाओं के विपरीत बताया है। धनबाद में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि सरकार को बने एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, किंतु इसके बावजूद प्रस्तुत बजट में आम जनता की अपेक्षाओं का समुचित प्रतिबिंब नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि यह बजट विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों और मजदूरों के हितों की अनदेखी करता हुआ प्रतीत होता है। सरकार ने पूर्व में नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था, जो आज तक लागू नहीं हो सका है। इसी प्रकार चुनाव के समय अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की गई थी, परंतु बजट में इस संबंध में कोई ठोस प्रावधान अथवा स्पष्ट नीति प्रस्तुत नहीं की गई है। राज सिन्हा ने कहा कि राज्य की गरीब जनता को 7 किलोग्राम चावल एवं 2 किलोग्राम दाल निःशुल्क देने का वादा भी अधूरा है। साथ ही प्रत्येक गरीब परिवार को 15 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज उपलब्ध कराने की घोषणा भी केवल वादा बनकर रह गई है। बजट दस्तावेजों में इन योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कोई स्पष्ट वित्तीय प्रावधान दिखाई नहीं देता, जिससे जनता में निराशा और असंतोष व्याप्त है। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष के बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस राशि का कितना प्रभावी उपयोग हुआ। उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों का 70 प्रतिशत भी प्राप्त नहीं किया जा सका है। ऐसे में केवल बड़े-बड़े आंकड़े प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है।

विधायक ने कहा कि राज्य में बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और आधारभूत संरचना की चुनौतियाँ आज भी गंभीर रूप से मौजूद हैं। बजट में इन मुद्दों के समाधान के लिए कोई ठोस और दीर्घकालिक रणनीति प्रस्तुत नहीं की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भी अपेक्षित स्पष्टता का अभाव है। अंत में राज सिन्हा ने कहा कि यह बजट झारखंड की जनता की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। सरकार को चाहिए कि वह केवल घोषणाओं तक सीमित न रहे, बल्कि अपने वादों को समयबद्ध तरीके से लागू करने की दिशा में ठोस, पारदर्शी और जनहितकारी कदम उठाए, ताकि राज्य के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके।

मतगणना की तैयारी तेज, काउंटिंग सुपरवाइजर व काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय आम निर्वाचन 2026 की मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मतगणना कार्य में प्रतिनियुक्त किए जाने वाले काउंटिंग सुपरवाइजर एवं काउंटिंग असिस्टेंट का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न कराया गया। यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुई। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान नगर निगम एवं नगर परिषद के सामान्य प्रेक्षक भी उपस्थित रहे, ताकि प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी स्तर पर पक्षपात या त्रुटि की संभावना न रहे। मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी तथा जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि मतगणना कार्य के लिए पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है और सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएंगे। मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा, प्रवेश नियंत्रण, अभिकताओं के लिए पास व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि पूरी मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन किया जाएगा, ताकि परिणाम घोषित होने तक जनविश्वास बना रहे।

सुभाषितम्

विफलता परिश्रम छोड़ देने का नतीजा है

- एफ. जी. जॉयनर

कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

सनत जैन

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतिस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेंरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है।

2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 'जीत' अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है।

यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा। इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है। इस नेटवर्क को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है, जिस तरह से अभी कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के पश्चात जिस तरह के हालात मेक्सिको के बन गए हैं, उस चुनौती से निपटना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। अमेरिका इस मामले में मेक्सिको की क्या मदद करता है, यह भी देखना होगा।

विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियां जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहां कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुंचता है।

कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो। उच्च शिक्षा में बौद्धिक विविधता नष्ट करने और ज्ञान संबंधी भ्रम पैदा करने वाले कट्टरपंथी साम्यवादी विचारों को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपतियों सहित 200 से अधिक शिक्षा विशेषज्ञों ने देश की गिरती शैक्षिक स्थिति के लिए वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वामपंथियों की भ्रामक प्रवृत्ति युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भड़काने की है। 1980 के दशक में जब वामपंथी संगठनों ने देश के युवाओं और ग्रामीणों को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था, तब से वामपंथी उग्रवाद और वामपंथी विचारधारा की आड़ में देश को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जेएनयू से लेकर जामिया, एएमयू से लेकर जादवपुर तक के परिसरों में हो रही घटनाएं दर्शाती हैं कि कैसे मुट्ठी भर वामपंथी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में केवल शिक्षा के उद्देश्य से दाखिला लेने वाले और किसी भी समूह से असंबंधित छात्र सबसे अधिक पीड़ित हैं।

सोशल मीडिया पर गलत प्रचार, झूठी कहानी और झूठे विमर्श जैसे शब्दों का अक्सर इस्तेमाल होता है। सनातन धर्म/हिंदुत्व की झूठी कहानियां मीडिया में बड़े पैमाने पर फैलाई जाती है और कई सरकारी कर्मचारी, बहुराष्ट्रीय निगमों के कर्मचारी, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों आदि में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी इन झूठी कहानियों को सत्य मान लेते हैं। मेरा मानना है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए भी यही सत्य है। आखिरकार, लाखों लोग- जिनमें से कई असहमत हो सकते हैं, उनको इन विभिन्न कहानियों को अपनाने के लिए मजबूर किया गया है, जबकि हम जानते हैं कि वे गलत हैं। हमारे शिक्षा तंत्र में व्याप्त मार्क्सवादी माहौल ने बच्चों और युवाओं के दिमाग में झूठी कहानियों को व्यवस्थित रूप से बिठा दिया है। परिणामस्वरूप, ये छद्म-उदारवादी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कड़ा विरोध करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। युवाओं को साम्यवाद का विचार विशेष रूप से आकर्षित करता है। समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और क्रांति जैसे विषयों पर चर्चा करना कितना रोमांचक होता है! युवा मन ऐसे विषयों से प्रेरित हो सकता है। युवा स्वभाव से भावुक होते हैं। साम्यवाद हमें यथास्थिति को उखाड़ फेंकने और एक गैरकानूनी और अमानवीय क्रांति शुरू करने के लिए कहता है। परिणामस्वरूप, संविधान के विरुद्ध होने के बावजूद युवा वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते हैं। वे साम्यवाद की गहरी वास्तविकता को समझने में असमर्थ हैं। न केवल प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों बल्कि अमेरिका और कई यूरोपीय देशों जैसे पूंजीवादी देशों में भी साम्यवाद जहर फैला रहा है। इस विचारधारा की रणनीति है युवावस्था में उन्हें फंसाना और उनकी बुद्धि को भ्रमित करना। इसलिए, वे कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाते हैं जो अभी तक हर स्थिति में अपने निर्णय लेने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हैं, लेकिन हाल ही में अपने माता-पिता के संरक्षण से मुक्त हुए हैं। अवसरवादी राजनेता और साम्यवादी इस खामी का फायदा उठाकर छात्रों के दिमाग में झूठ, अधूरी सच्चाई और आकर्षक भाषा का इस्तेमाल करके गलत धारणाएं भर देते हैं। कहा जाता है कि प्राचीन चीन में ₹हिरण की ओर इशारा करके उसे घोड़ा कहना₹ आम बात थी। अगर सार्वजनिक रूप से आपसे सवाल किया जाता और आप यह मानने से इनकार कर देते कि वह घोड़ा है तो आपको समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। दुर्भाग्य से, यह चर्चा आजकल सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। इस मिथक के बार-बार फैलने के कारण कई युवा अब इसे घोड़ा समझते हैं- हालांकि ऐसा करने के लिए वे मजबूर नहीं हैं।

वोकवाद उन लोगों का समूह है जो वास्तव में अनपढ़ और अज्ञानी हैं लेकिन खुद को दुनिया का सबसे जानकार समझते हैं। ये लोग वामपंथी 'वोक' संस्कृति का हिस्सा हैं। झूठ पर विश्वास करने के बावजूद वे सामाजिक मुद्दों के बारे में खुद को जानकार मानते हैं। संक्षेप में कहें तो वे बिना किसी जांच-पड़ताल के गलत जानकारी फैलाते हैं और किसी भी विषय में पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं। वामपंथी 'वोक' को अपने सामाजिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बुद्धि को सुधारने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी। इसका कारण यह है कि वोक वामपंथी विचारधारा पक्षपातपूर्ण और असंगत वामपंथी अवधारणाओं का एक समूह है, जिन्हें 'समानता,' 'विविधता' और 'समावेश' के नाम से जाना जाता है। जो कोई भी 'वोक' वामपंथियों से असहमत होता है, उन पर वे अक्सर बेरहमी से हमला करते हैं। मार्क्सवाद/साम्यवाद वोकवाद एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, यह एक मजहबी व्यवस्था है। मजहब का उद्देश्य मौजूदा राजनीतिक या सांस्कृतिक संरचनाओं को उखाड़ फेंकना है। वोकवाद नई अवधारणाओं के विश्लेषण और शोध में बाधा डालता है। यह एक खोखली विचारधारा है जो नैतिक सेना का रूप धारण करते हुए विविधता के नाम पर विचारों की विविधता को सीमित करती है। वे परिस्थितियों की कोई जानकारी या समझ रखे बिना खुद को न्याय का सर्वोच्च रूप बताते हैं।

भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में मार्क्सवादी-इस्लामी गठबंधन इसका प्रमाण है। परिणामस्वरूप, अब अन्य भारतीय अल्पसंख्यकों के साथ-साथ मुख्यधारा के हिंदू समाज के प्रति भी शत्रुता का भाव पनप रहा है। इस तरह की बातचीत सनातन धर्म के बारे में अपमानजनक और भ्रामक कहानियों के प्रसार को बढ़ावा देती है। डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों का इस समाज के साथ जिस तरह का जुड़ाव रहा है, वह और भी चिंताजनक है। ये मौखिक अभिव्यक्तियाँ व्यावसायिक वस्तुओं में परिवर्तित होती प्रतीत होती हैं। इन मान्यताओं के मुखर समर्थक सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं। हालाँकि, बड़ी समस्या यह है कि ये बोले गए शब्द अक्सर कथा के विषय को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। वे केवल एक ऐसी कहानी गढ़ना चाहते हैं जिससे लोग जुड़ सकें, न कि केवल किसी मुद्दे या अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करना।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है।

राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं।

ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दशार्ता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा।

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए।

विदेश भेजने की होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना-यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है।

धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं? भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है। विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहां अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है।

आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है। समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी। समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं- विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं।

यह सब यहीं से शुरू हुआ है। एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक 'ब्रेन ड्रेन' की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है। माता-पिता, शिक्षक और समाज- तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य होना चाहिए- योग्यता, आत्मनिर्भरता और सार्थक जीवन। जब यह सोच समाज में मजबूत होगी, तब शायद विदेश भेजने की अंधी दौड़ अपने आप धीमी पड़ जाएगी।

आज का राशिफल

मेष : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृष : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्गूषचता रहेगी।

मिथुन : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क : रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा।

सिंह : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला : निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

वृश्चिक : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा।

धनु : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, ङ्गूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

मकर : थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

कुम्भ : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें।

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

विस से 2026-27 का बजट पारित, नेताओं ने दी तीखी प्रतिक्रिया

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का राज्य बजट पारित होने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सदन में बहस और चर्चा के उपरांत बजट को मंजूरी मिल गई, जिसके साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सरकार ने बजट को संतुलित, जनोन्मुखी और विकास को गति देने वाला बताया है, जबकि विपक्ष ने कई प्रावधानों पर सवाल उठाते हुए इसे दिशाहीन करार दिया है। बजट पारित होते ही हजारीबाग जिले के विभिन्न दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। किसी ने इसे जन-आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया, तो किसी ने आम जनता के साथ छलावा कहा।

अबुआ दिशोम बजट आंकड़ों की बाजीगरी, जन-आकांक्षाओं से विश्वासघात : मनीष जायसवाल

हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के अबुआ दिशोम बजट को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिशाहीन और जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकास का ठोस रोडमैप देने में पूरी तरह विफल रहा है और इसमें न तो राजस्व सृजन की स्पष्ट रणनीति है और न ही दीर्घकालिक विकास की ठोस योजना।सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं को रोजगार, अनुबंधकर्मियों के भविष्य और छात्रवृत्ति विस्तार को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की है। किसानों, महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए भी बजट में सार्थक प्रावधानों का अभाव है, जिससे सरकार की संवेदनहीनता उजागर होती है।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक सुविधाओं की घोषणाओं को भी अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि जब बुनियादी स्वास्थ्य ढांचा ही कमजोर है, तब बड़ी-बड़ी घोषणाएं केवल कागजी साबित होंगी। सांसद ने कहा कि झारखंड को खोखले दावों की नहीं, बल्कि पारदर्शी, जवाबदेह और दूरदर्शी शासन की आवश्यकता है।

जनता को फिर मिला छलावा, बजट पूरी तरह निराधार : प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधानसभा के विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट को निराधार, दिशाहीन और जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस बार भी महिला, युवा, किसान और आम नागरिकों को केवल छलावा मिला है। विधायक ने कहा कि सरकार ने 1,58,560 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें राजस्व आय 1,36,210.04 करोड़ तथा राजस्व व्यय 1,20,851.90 करोड़ दशार्या गया है। हालांकि इतने बड़े आंकड़ों के बावजूद जमीनी विकास का कोई स्पष्ट रोडमैप नजर नहीं आता।

उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर केवल योजनागत प्रावधान दिखाए गए हैं, लेकिन रोजगार, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। युवाओं के लिए कौशल विकास और स्थायी रोजगार सृजन की दिशा में भी स्पष्ट नीति का अभाव है। किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिलने से निराशा बढ़ी है।

जन-आकांक्षाओं को साकार करने वाला बजट : मुन्ना सिंह

हजारीबाग। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत अबुआ दिशोम बजट पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इसे राज्य की जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं का दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट वास्तव में अबुआ यानी अपने लोगों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मुन्ना सिंह ने कहा कि सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं को केंद्र में रखकर जो प्रावधान किए हैं, वे झारखंड के समग्र विकास की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को सशक्त बनाने की ठोस कार्ययोजना है।उन्होंने कृषि, रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं की विशेष सराहना करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। मुन्ना सिंह ने विश्वास जताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में यह बजट जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आम जनता के साथ छलावा है यह बजट : शेफाली गुप्ता

हजारीबाग। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेत्री एवं समाजसेवी शेफाली गुप्ता ने इसे गरीब विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता, किसानों, बेरोजगार युवाओं और छोटे व्यापारियों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। शेफाली गुप्ता ने आरोप लगाया कि सरकार ने बजट में बड़े-बड़े दावे किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस योजनाओं का अभाव साफ दिखाई देता है। महंगाई, बेरोजगारी और पलायन जैसे गंभीर मुद्दों पर कोई स्पष्ट और प्रभावी प्रावधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए घोषित योजनाएं केवल कागजी साबित होंगी, क्योंकि कृषि अनुदान, सिंचाई व्यवस्था और न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर ठोस पहल नहीं दिखती। युवाओं के रोजगार सृजन के नाम पर भी सरकार ने केवल आंकड़ों का खेल खेला है। नई भर्तियों की समय-सीमा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त बजट आवंटन का अभाव है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और छात्रवृत्ति की राशि महंगाई के अनुपात में बेहद कम है।

अबुआ दिशोम नहीं, बबुआ बजट है: रंजन चौधरी का सरकार पर हमला

हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत अबुआ दिशोम बजट 2026-27 पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इसे दिशाहीन और जुमलेबाजी से भरा बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष के नाम पर पेश किया गया यह बजट दरअसल बबुआ बजट है, जिसके जरिए गठबंधन सरकार ने झारखंड की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है।रंजन चौधरी ने कहा कि बजट में 10 प्रतिशत वृद्धि और मध्यम परियोजनाओं का ढोल पीटा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत को देखते हुए इसके क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में मेमोग्राफी और पेट स्कैन की घोषणाएं बेमानी हैं, जब बुनियादी स्वास्थ्य ढांचा ही बदहाल है। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं भी पीपीपी मोड पर निजी कंपनी को सौंपी गई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि 10 लाख नौकरियों का वादा करने वाली सरकार ने युवाओं को फिर निराश किया है।

संतुलित और जनहितकारी बजट, केंद्र पर बकाया राशि देने की मांग : गणेश कुमार उर्फ सीटू

हजारीबाग। सीटू जिला सचिव सह सीपीएम नेता गणेश कुमार (उर्फ सीटू) ने झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को संतुलित और जनोन्मुखी बताया है। उन्होंने कहा कि महिला खुशी योजना के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान तथा मुख्यमंत्री एक्सीलेंस के तहत 100 स्कूलों को अपग्रेड करने का निर्णय महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने देवघर, रजरप्पा और नेतरहाट जैसे पर्यटन स्थलों के आधुनिकीकरण के फैसले की भी सराहना करते हुए कहा कि इससे पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।गणेश कुमार, जो सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस से जुड़े हैं, ने चिंता जताई कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा मद में 5640 करोड़ रुपये का ओवर बर्डन राज्य पर डाला गया है तथा 11 हजार करोड़ रुपये टैक्स बकाया अब तक जारी नहीं किया गया है।

महिला सशक्तिकरण, शिक्षा व पर्यटन को नई उड़ान देता बजट : कुणाल यादव

हजारीबाग। झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए पार्टी के जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने इसे राज्य के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि यह बजट महिला सशक्तिकरण, शिक्षा सुधार और पर्यटन विकास को नई गति देने वाला है। प्रवक्ता ने कहा कि महिला खुशी योजना के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक मजबूती की दिशा में क्रांतिकारी पहल है, जिससे हजारों महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। वहीं मुख्यमंत्री एक्सीलेंस योजना के तहत 100 स्कूलों को अपग्रेड करने का निर्णय शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार का मार्ग प्रशस्त करेगा और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराएगा।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देवघर, रजरप्पा और नेतरहाट जैसे प्रमुख स्थलों के आधुनिकीकरण के फैसले को भी उन्होंने सराहनीय बताया। उनके अनुसार इससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी है राज्य का बजट : विकास राणा

हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य विकास राणा ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को समाज के सभी वर्गों के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड के समग्र विकास को गति देने वाला और दूरदर्शी सोच का परिचायक है।

विकास राणा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने बिना जनता पर अतिरिक्त बोझ डाले विकासोन्मुखी बजट पेश किया है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीरता और जवाबदेही के साथ झारखंड को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ा रही है। यह बजट राज्य के सतत और समावेशी विकास की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. शंकर सिंह ने अंग्रेजी में पीएचडी कर रचा शैक्षणिक इतिहास

हजारीबाग। शिक्षा जगत में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जोड़ते हुए डॉ. शंकर सिंह ने अंग्रेजी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इससे पूर्व वे शिक्षा (एजुकेशन) विषय में भी पीएचडी की उपाधि हासिल कर चुके हैं। इस प्रकार दो अलग-अलग विषयों में शोध उपाधि प्राप्त कर उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में विशिष्ट स्थान स्थापित किया है। वर्तमान में डॉ. शंकर सिंह विनोबा भावे विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त एक महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। संबंधित महाविद्यालय को झारखंड एकेडमिक काउंसिल , राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त है। उनकी यह दोहरी उपलब्धि उनके गहन अध्ययन, सतत परिश्रम और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को दशार्ती है। शिक्षा एवं अंग्रेजी दोनों विषयों में शोध उपाधि अर्जित कर उन्होंने शिक्षण और शोध के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। शैक्षणिक जगत के लोगों ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी है और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति पर जोर

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर उपविकास आयुक्त रिया सिंह ने समाहरणालय सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की। बैठक में एसएमएस रिपोर्टिंग, छात्र-शिक्षक उपस्थिति, आईएफए दवा वितरण तथा आयुष्मान कार्ड निर्माण सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपविकास आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को प्रतिदिन एसएमएस रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने और विद्यालयों में शत-प्रतिशत उपस्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने योजनाओं से संबंधित अद्यतन आंकड़े समय पर उपलब्ध कराने पर विशेष बल देते हुए आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने को कहा। साथ ही पदाधिकारियों को नियमित विद्यालय भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं–पेयजल, नए भवन निर्माण, चहारदीवारी, किचेन शेड, बेंच-डेस्क आदि–से संबंधित आवश्यकताओं की चेकलिस्ट उपलब्ध कराई गई। निर्देश दिया गया कि सभी विद्यालयों से चेकलिस्ट भरवाकर निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत की जाए। पीएम श्री विद्यालयों से प्राप्त चेकलिस्ट की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

23 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, एक शातिर गिरफ्तार, साथियों की तलाश में छापेमारी जारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। जिले में बढ़ती मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर लगाम कसते हुए हजारीबाग पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापोकला गांव में विशेष कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 23 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है तथा गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं के उद्भेदन के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (स्कळ) का गठन किया गया था। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि नापोकला क्षेत्र में चोरी की मोटरसाइकिलों की

खरीद-बिक्री की जा रही है।

सूचना के आधार पर गठित छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नापोकला एवं आसपास के क्षेत्रों में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सतीश प्रजापति (30 वर्ष), पिता बुधन प्रजापति, ग्राम-नापोकला, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग बताया। गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह अपने सहयोगियों के साथ विभिन्न थाना क्षेत्रों से मास्टर चाबी के माध्यम से मोटरसाइकिल चोरी करता था। उसकी निशानदेही पर उसके घर एवं घर के पीछे से कुल 23 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। बरामद मोटरसाइकिलों में 14 स्प्लेंडर, 3 पैशन प्रो, 2 अपाची, 2 पल्सर और 2 ग्लैमर शामिल हैं। साथ ही एक इन्फिनिक्स मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

इस संबंध में बड़कागांव थाना कांड संख्या 27/26, दिनांक 24 फरवरी 2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी ने अपने अन्य सहयोगियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसआईटी लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार, पुलिस निरीक्षक ललित कुमार, थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता, डाड़ी कला ओपी प्रभारी सागेन मुर्मू, सहायक अवर निरीक्षक बसंत भगत सहित बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ग्रामीण विकास सलाहकार समिति की बैठक, वित्तीय वर्ष 2026-27 की योजनाओं पर मंथन

झारखंड दर्शन संवाददाता

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़ प्रखंड स्थित कोनार डैम सीएसआर कार्यालय में मंगलवार को ग्रामीण विकास सलाहकार समिति (वीडीएसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीवीसी के डॉ. बी. एन. मंडल ने की। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की योजनाओं को लेकर समिति के सदस्यों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही विष्णुगढ़ एवं गोमिया प्रखंड के जनप्रतिनिधियों ने विगत वर्ष की योजनाओं की समीक्षा करते हुए आगामी वर्ष के लिए अपने प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए।

बैठक में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि डुमरचंद महतो, विष्णुगढ़ मध्य भाग जिप सदस्य शेख तैयब, नागी पंचायत के मुखिया कुंवर हांसदा, गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि सिकंदर साव, गोमिया विधायक सह मंत्री प्रतिनिधि टुकन महतो, विस्थापित संघर्ष समिति के केंद्रीय सदस्य दिनेश्वर मंडल, नवादा विस्थापित ग्रामीण महमूद आलम, गोमिया प्रखंड विस्थापित प्रतिनिधि नवल सिंह, असैनिक विभाग के चंद्रशेखर प्रसाद एवं सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। बैठक का संचालन सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार ने किया। बैठक में ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं को प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने पर विशेष बल दिया गया।

विष्णुगढ़ में कोयले की अवैध तस्करी चरम पर, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

झारखंड दर्शन संवाददाता

विष्णुगढ़। प्रखंड क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार चरम पर पहुंच गया है। कई इलाकों में कथित रूप से अवैध डंपिंग जोन बनाकर रात के अंधेरे में कोयले की धुलाई, छंटाई और बोरे में पैकिंग का काम किया जा रहा है। इसके बाद मोटरसाइकिल व अन्य वाहनों के जरिए कोयला विभिन्न क्षेत्रों में खपाया जाता है। बताया जाता है कि यह पूरा कारोबार बिना वैध दस्तावेज या चालान के संचालित हो रहा है, जिससे सरकार को राजस्व की क्षति हो रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दिन में जहां इन स्थानों पर सन्नाटा रहता

है, वहीं रातभर गतिविधियां तेज रहती हैं। लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों को जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

अवैध डंपिंग से क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा गहरा गया है। वहीं बाइक से कोयला ढुलाई के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों और समाजसेवियों में रोष है। उन्होंने प्रशासन से अवैध डंपिंग जोनों की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा अवैध ढुलाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

टीबी पोषण वितरण कार्यक्रम का पांचवां शिविर आयोजित

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण किट

संवाददाता

बड़कागांव । अदाणी फाउंडेशन की ओर से टीबी पोषक आहार वितरण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को 80 मरीजों के बीच पोषण किट वितरित किए गए। इसका उद्देश्य मरीजों के उपचार एवं शीघ्र स्वस्थ होने की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करना था। शिविर का आयोजन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंजू प्रभा की उपस्थिति में किया गया, जिसमें सीएसआर टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए

डॉ. अंजू प्रभा ने टीबी रोग के लक्षण, बचाव के उपाय एवं उपचार अवधि में संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। जागरूकता सामग्री का वितरण शिविर के दौरान टीबी जागरूकता, सावधानियों एवं पोषण संबंधी मार्गदर्शन से संबंधित सूचना-पत्र भी मरीजों के बीच वितरित किए गए, ताकि दी गई जानकारियों को वे व्यवहार में ला सकें। कार्यक्रम के अंत में यह भी घोषणा की गई कि इस चरण का अगला एवं अंतिम शिविर 17 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। सभी लाभार्थियों को समय पर उपस्थित होकर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने की सलाह दी गई। क्षेत्र में जारी है सीएसआर के तहत अन्य कार्य भी अदाणी फाउंडेशन की ओर से बड़कागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका संवर्धन एवं सामुदायिक विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

संपादकीय लेखन पत्रकारिता की आत्मा और कलम की ज़िम्मेदारी पुस्तक जल्द पाठकों के बीच होगी उपलब्ध

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक योगदान के रूप में हंसराज चौरसिया की बहुप्रतीक्षित पुस्तक संपादकीय लेखनः पत्रकारिता की आत्मा और कलम की ज़िम्मेदारी शीघ्र ही प्रकाशित होने जा रही है। इस पुस्तक का प्रकाशन परिमल प्रकाशन द्वारा किया जा रहा है। यह पुस्तक समाचार पत्रों में संपादकीय लेखन की अवधारणा, तकनीक, नैतिकता और डिजिटल युग की चुनौतियों पर एक समग्र एवं व्यवस्थित मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है। प्रकाशक के अनुसार, यह कृति पत्रकारिता एवं

जनसंचार के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, मीडिया पेशेवरों तथा वढरउ एवं ढरउ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक में संपादकीय की परिभाषा, उद्देश्य और ऐतिहासिक विकास से लेकर उसके सामाजिक एवं लोकतांत्रिक महत्व तक का विस्तार से विवेचन किया गया है।

लेखक ने संपादकीय को केवल समाचार पत्र का एक स्तंभ न मानकर जनमत निर्माण की प्रभावशाली विधा के रूप में प्रस्तुत किया है। विश्लेषणात्मक, सुझावात्मक, आलोचनात्मक, प्रेरणात्मक तथा आपातकालीन संपादकीय लेखन की विभिन्न शैलियों को उदाहरण सहित समाहित किया गया है। इस पुस्तक के सह-संपादक डॉ. साकेत कुमार पाठक हैं, जिनका अकादमिक अनुभव पुस्तक को शोधपरक दृष्टि प्रदान करता है। वहीं, पुस्तक की शब्द सज्जा का दायित्व चंदन तिवारी, मो. फजल और विक्की कुमार धान ने निभाया है, जिससे कृति की भाषा-शैली और प्रस्तुति को परिष्कृत एवं प्रभावी रूप मिला है। साथ ही, संपादन, पुनर्लेखन और लेखन अनुशासन की प्रक्रिया को कार्यशाला शैली में प्रस्तुत किया गया है। डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एएड आधारित संपादकीय लेखन, ब्लॉग एवं वेब पोर्टल्स की भूमिका तथा सोशल मीडिया में संपादकीय विमर्श जैसे समकालीन विषयों को भी शामिल किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुस्तक हिंदी पत्रकारिता में संपादकीय लेखन पर एक महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक योगदान सिद्ध हो सकती है।

ताज बैंक्वेट हॉल में भव्य इफ्तार, सैकड़ों रोजेदारों ने की अमन-चैन की दुआ

हजारीबाग। रमजान के पवित्र महीने में पगमिल स्थित ताज बैंक्वेट हॉल में समाजसेवी मोहम्मद आरिफ की पहल पर भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों रोजेदारों ने एक साथ रोजा इफ्तार कर भाईचारे और एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर मरहूम अब्दुल हफीज, मरहूम मंसूर आलम सहित परिवार के दिवंगत सदस्यों के लिए मगफिरत की दुआ की गई तथा देश में अमन-चैन और सौहार्द की कामना की गई। एदार-ए-शरिया हजारीबाग के चीफ काजी व जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती अब्दुल जलील सादी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्री श्याम फाल्गुन निशान ध्वज यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्ति से गूंजा शहर

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। श्याम भक्त परिवार हजारीबाग द्वारा आयोजित श्री श्याम फाल्गुन निशान ध्वज यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुई। मालवीय मार्ग स्थित नवनिर्मित श्याम मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई यह भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची, जहां सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई। यजमान के रूप में बजरंग खेतान एवं उनकी धर्मपत्नी तथा नरेश वैद्य एवं उनकी धर्मपत्नी

ने बाबा श्याम की पूजा कर नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। यात्रा प्रारंभ होते ही हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा और जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण सुसज्जित भव्य रथ रहा, जिस पर बाबा श्याम की मनोहारी झांकी विराजमान थी। रथ के पीछे राधा रानी की आकर्षक प्रस्तुति और धार्मिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। ढोल-नगाड़ों और भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए आगे बढ़ते रहे।

करीब 500 से अधिक महिला एवं पुरुष श्रद्धालु निशान ध्वज के साथ यात्रा में शामिल हुए। महिलाएं लाल-पीली साड़ियों में तथा पुरुष पारंपरिक परिधान में अनुशासित पंक्तियों में भक्ति-भाव से आगे बढ़ रहे थे। यात्रा के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया तथा जलपान की व्यवस्था की गई।

मंदिर परिसर पहुंचने पर सामूहिक आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने एक स्वर में जयकारे लगाए, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। आयोजन मंडली ने बताया कि बाबा श्याम की कृपा से यह

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

दुमका में संथाल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह पर जानलेवा हमला

दुमका। संथाल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह पर मंगलवार सुबह बाइक सवार अपराधियों ने गोली चलाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना नगर थाना क्षेत्र के गिलानपाड़ा मोहल्ले के समीप हुई। जानकारी के अनुसार अरुण सिंह अपनी बाइक से बस पड़ाव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दो बाइक सवार अपराधियों ने उनका पीछा किया और डीआईजी कार्यालय के सामने उन्हें गोली मार दी। गोली उनकी पीठ में लगी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए आसनसोल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दो वर्ष पूर्व भी उन पर जानलेवा हमला हो चुका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार घटनास्थल पर पहुँचे और जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि अपराधियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी तथा पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता के लिए योग प्रशिक्षण अभियान

पाकुड़। स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा जिलेभर में योग एवं आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। सोमवार को पाकुड़, पाकुड़िया, हिरणपुर, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा सहित लगभग 30 स्थानों पर योग प्रशिक्षकों ने लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। आयुष विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है और मानसिक संतुलन बना रहता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर समाज को निरोग बनाने में योगदान दें।

फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत डीबीएल एवं पीएसपीसीएल कर्मियों ने ली दवा

पाकुड़। पाकुड़ में स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार 10 से 25 फरवरी तक संचालित फाइलेरिया मुक्ति अभियान के अंतर्गत डीबीएल पचवारा सेंट्रल कोल माइंस, अलूबेड़ा के कैंप कार्यालय में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमड़ापाड़ा की ओर से आयोजित इस शिविर में डीबीएल एवं पीएसपीसीएल के कर्मियों और पदाधिकारियों को फाइलेरिया से बचाव हेतु निर्धारित दवा की खुराक दी गई। शिविर में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर दवा का सेवन किया और अभियान के प्रति सहयोग व्यक्त किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर परंतु रोकथाम योग्य बीमारी है और सामूहिक दवा सेवन से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अभियान अवधि के दौरान दवा अवश्य लें और जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

श्रमदान कर ग्रामीणों ने बनाई सड़क व की तालाब की सफाई

साहिबगंज। जिले के बोरियों प्रखंड अंतर्गत बिजोलिया गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान कर गांव की पथरीली सड़क को मिट्टी भरकर दुरुस्त करने का काम किया है। वही तेतुलिया गांव में भी ग्रामीणों ने श्रमदान कर पोखर की सफाई करने का काम किया है। इसी प्रकार लक्ष्मी, चटकी, आसनबोना सहित एक दर्जन गांवों में पूर्व में भी कई अन्य काम ग्रामीणों द्वारा श्रमदान कर किया गया। इस संबंध में तेतुलिया गांव के प्रधान सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि स्वयंसेवी संस्था झारखंड आंचल फाउंडेशन द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप यहां के ग्रामीणों ने श्रमदान कर पोखर की साफ सफाई करने का काम किया है। ग्रामीणों ने बताया कि पोखर की साफ सफाई होने से बरसात के दिनों में हम लोग को इनका फायदा मिलेगा । बिजोलिया गांव के जेकफ ने बताया कि गांव की सड़क काफी पथरीली थी। जिस पर चल पाना काफी कठिन होता था। वाहन चलाना और भी मुश्किल भरा होता था। झारखंड आंचल फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा यहां के ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इसके बाद हम लोगों ने सर्व दान कर 400 फीट सड़क में मिट्टी भरकर अच्छी सड़क बनाने का काम किया है। सड़क बनने के बाद अब लोग आराम से चल रहे हैं।

सीनियर क्रिकेट लीग: द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब की 162 रनों से शानदार जीत

साहिबगंज। साहिबगंज में जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में आयोजित सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत सोमवार को माही स्पोर्ट्स येलो और द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब के बीच मुकाबला खेला गया।द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 25 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 251 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से रवि कुमार ने नाबाद 101 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। आदित्य ज्ञान ने 58 रन, मिस्टर एनर्जी ने 47 रन तथा आशीष रंजन ने 24 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी माही स्पोर्ट्स येलो की टीम 18.1 ओवर में नौ विकेट पर 89 रन ही बना सकी। अनाउल्लाह अंसारी ने 32 रन और रवि पासवान ने 18 रन बनाए। द्रोणाचार्य के गेंदबाज मोहम्मद राशिद ने तीन विकेट, जबकि रवि और अनिकेत ने दो-दो विकेट हासिल किए। 162 रनों से जीत दर्ज करने वाली द्रोणाचार्य टीम के खिलाड़ी रवि कुमार को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

झारखंड सरकार के अबुआ बजट पर मिश्रित प्रतिक्रिया

किसी ने सराहा तो किसी ने नकारा

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने मंगलवार को अबुआ बजट 2026- 27 के लिए कुल 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 9% ज्यादा है। प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण खूबसूरत वादियों एवं मनोरम पर्यटन स्थलों से सुसज्जित इस रत्नगर्भा के आर्थिक सुदृढ़ता, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास हेतु पेश इस बजट पर मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। किसी ने इसकी सराहना की, तो किसी ने इसकी आलोचना। कुछ ने इसे विकास के प्रति समर्पित सर्व समावेशी बताया। तो किसी ने इसे महज खाना पूर्ति करार दिया एवं गोड्डा जिले के लिए कुछ खास नहीं किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। हालांकि ज्यादातर ने इसे महिला, युवा एवं किसानों के हित में तथा सामाजिक विकास एवं सांस्कृतिक उन्नयन का वाहक बताया। बजट में मंईयां सम्मान के लिए 14 हजार 65 करोड़ रुपए, फसल बीमा हेतु 400 करोड़, अबुआ आवास के लिए 4100 करोड़, कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव हेतु 200 करोड़, ऊर्जा पर 11 हजार करोड़ से ज्यादा, महिला किसान खुशहाली योजना के लिए 25 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया है, जो प्रशंसनीय है। इसके अलावा सुखाड़ राहत, झारखंड राज्य खाद्य राहत योजना आदि के लिए भी बजट में प्रावधान क्या जाना लोगों को लुभा रहा है। बजट में पेशा कानून के तहत ग्राम सभा सशक्तिकरण पर भी बल दिया गया है। जिसकी तारीफ हो रही है। बावजूद इसके कुछ बिंदुओं पर सरकार की अनदेखी लोगों को नाराज भी कर रही है। लब्बोलुआब यही कि किसी ने सराहा तो किसी ने नकारा।

यह बजट विकासोन्मुख एवं सर्वस्पर्शी है। इसमें सरकार ने सभी वर्गों का ख्याल रखा है। आधारभूत संरचना के मजबूती करण पर सरकार ने फोकस किया है। जो अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगी।

-गोविंद चनानी, अध्यक्ष, चेंबर ऑफ कॉमर्स

सरकार ने इसे सर्वस्पर्शी बनाने का ईमानदार प्रयास किया है। अब वह इसमें कितना सफल हो पाती है, यह भविष्य के गर्त में है। हालांकि बजटीय प्रावधानों में गोड्डा जिले की अनदेखी निराशाजनक है।

- अनिल आनंद
सचिव, चेंबर ऑफ कॉमर्स

सरकार ने व्यवसायी वर्ग को निराश किया है। इसमें विकास को लेकर कोई स्पष्ट दृष्टिकोण परिलक्षित नहीं हो रही है। उसकी मंशा केवल खाना पूर्ति मात्र है।

-अरुण राम
व्यवसायी

यह बजट कॉपी पेस्ट और खानापूर्ति के सिवा और कुछ नहीं है। जिस आशा और विश्वास के साथ लोगों ने सरकार को समर्थन दिया, यह उनके विश्वास पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाई।

- प्रिया सिंह पटेल
भाजपा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष

सरकार ने महिलाओं को लेकर जो वादे किए थे, उसे पूरा करने हेतु वह पूर्णतया कृत संकल्पित है। बजटीय प्रावधानों में महिला सशक्तिकरण को तवज्जो दी गई है।

- रेनू भगत
कांग्रेस नेत्री

महिला सम्मान के नाम पर सत्ता में आई इस सरकार ने उसे ठगने का काम किया है। मंईयां योजना का पोर्टल बंद रहने से महिलाओं को जरूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

- अनामिका ओझा
महिला

सरकार की युवाओं को लेकर कोई व्यापक एवं दूरदर्शी सोच नहीं है। जो बजट में साफ परिलक्षित हो रही है। इससे युवा अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

- रविंद्र तिवारी
युवा

यह सरकार लोगों की आकांक्षाओं पर को पूरी करने में पूर्णतया विफल साबित हुई। यह मात्रक कॉपी पेस्ट है। इसमें गोड्डा जिला के लिए अलग से कुछ खास नहीं किया जाना लोगों को निराश कर गया।

- संजीव मिश्रा
पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष

पाकुड़ में जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, एक सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट देने का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ में आम जनमानस की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रभावी निष्पादन के उद्देश्य से उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं।

उपायुक्त ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक एक-एक कर सुना तथा संबंधित आवेदनों का अवलोकन किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए सभी मामलों की विधिवत जांच कराते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान जमीन विवाद, अनुकंपा के आधार पर चौकीदार बहाली, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित लंबित प्रकरण, राजस्व मामलों तथा विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की गईं।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आवेदनों की भौतिक जांच कर प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि शिकायतों की प्रगति की समीक्षा की जा सके और आमजनों को समयबद्ध न्याय मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है और इसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है।

माध्यमिक एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ उपायुक्त ने की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा आगामी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी माध्यमिक एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, बीआरपी, सीआरपी एवं बीपीओ के साथ विस्तृत समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में कक्षा 8, 9 एवं 11 की आगामी परीक्षाओं की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि हाल ही में आयोजित जैक बोर्ड परीक्षाएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुई हैं और अब विद्यालयों की आंतरिक परीक्षाओं में भी बेहतर परिणाम सुनिश्चित करना आवश्यक है। कक्षा 8 की परीक्षा 2 मार्च से प्रस्तावित है, इसलिए समय की सीमितता को देखते हुए सभी विद्यालयों को गंभीरता से तैयारी करनी होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास कराया जाए, आदर्श प्रश्नपत्रों पर चर्चा की जाए तथा कमजोर विद्यार्थियों की विशेष कक्षाएँ संचालित कर उन्हें अतिरिक्त मार्गदर्शन दिया जाए। साथ ही शिक्षकों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि परीक्षाएँ निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित हों। बैठक के दौरान फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की भी समीक्षा की गई तथा सभी विद्यालयों में स्टॉल लगाकर शेष विद्यार्थियों को दवा सेवन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।
उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस वर्ष जिले के विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

गोड्डा में शांतिपूर्ण मतदान के बाद मतगणना का इंतजार

गोड्डा। नगर निकाय चुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की अच्छी भागीदारी देखी गई। दिनभर चली मतदान प्रक्रिया के बाद मतपेटियाँ सीलबंद कर सुरक्षित स्थानों पर रख दी गईं। अब सभी प्रत्याशियों की निगाहें 27 फरवरी को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। इस चुनाव में कुल 22 प्रत्याशियों सहित डेढ़ सौ से अधिक वार्ड उम्मीदवार मैदान में हैं। नगर अध्यक्ष पद के लिए 11 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई है। प्रमुख दावेदारों में सुशील रामानी, कामरान अशरफी, राजेश मंडल, नरेंद्र नारायण मंडल, गुड्डू मंडल, प्रभु दयाल पंडित और मुस्तकीम अंसारी के नाम चर्चा में रहे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार सामाजिक समीकरणों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से कुछ वर्गों की सक्रिय भागीदारी को लेकर चचाएँ तेज हैं। मतदान के बाद शहर में अटकलों का दौर जारी है। समर्थक अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल शहर में चुनावी शोर थम चुका है, किंतु प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच उत्सुकता चरम पर है। 27 फरवरी को ही यह तय होगा कि नगर अध्यक्ष की कुर्सी किसे मिलेगी और कौन से वार्ड प्रत्याशी जीत का परचम लहराएंगे।

मतगणना कवरेज के लिए मीडिया पास जारी करने की प्रक्रिया शुरू

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर।नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत मतगणना कवरेज को लेकर जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सूचना भवन स्थित मीडिया कोषांग से जारी सूचना के अनुसार, मतगणना स्थल पर प्रवेश हेतु अधिकृत मीडिया पास अनिवार्य होगा।

निदेर्शानुसार देवघर नगर निगम तथा मधुपुर नगर परिषद के लिए अलग-अलग मीडिया पास निर्गत किए जाएंगे।

प्रत्येक मीडिया संस्थान से प्रिंट मीडिया के लिए एक पास तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए अधिकतम दो पास जारी किए जाने का प्रावधान रखा गया है। जारी सूचना में स्पष्ट किया गया है कि आवेदन करते समय यह उल्लेख करना अनिवार्य होगा कि पास देवघर नगर निगम मतगणना के लिए चाहिए या मधुपुर नगर परिषद के लिए। मीडिया संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे 25 फरवरी 2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक निम्नलिखित विवरण मीडिया कोषांग, सूचना भवन में उपलब्ध कराएं।

प्रतिनिधि का नाम
(मीडिया हाउस वार)

मीडिया हाउस द्वारा निर्गत वैध आईडी कार्ड की प्रति, मोबाइल नंबर, दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ ही, भेजी जाने वाली सूची संबंधित ब्यूरो चीफ द्वारा अनुमोदित होना अनिवार्य होगा। जनसंपर्क विभाग ने सभी मीडिया संस्थानों से समय सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, ताकि मतगणना कवरेज के दौरान प्रवेश व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित की जा सके।

पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिकटिया स्थित स्ट्रांग रूम में मतपेटियां सील, त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत गोड्डा के पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिकटिया स्थित स्ट्रांग रूम में मतपेटियों को विधिवत सील कर सुरक्षित रखा गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव, निर्वाचन प्रेक्षक, पुलिस अधीक्षक तथा उपविकास आयुक्त की उपस्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन करते हुए मतपेटियों को सील किया गया। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई तथा अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों को भी निर्धारित प्रावधानों के तहत उपस्थित रहने का अवसर प्रदान किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा हेतु त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए तथा चौबीसों घंटे सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाय। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर कड़ी जांच तथा सुरक्षा गतिविधियों का नियमित अभिलेखन करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और मतगणना तक मतपेटियों की सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

मधुपुर नगर निकाय चुनाव में हंगामा, बूथ 201 और 202 पर समर्थकों में झड़प

झारखंड दर्शन संवाददाता

मधुपुर। नगर निकाय चुनाव के दौरान सोमवार को उस समय अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब मतदान केंद्र संख्या 201 और 202 पर विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थक आपस में भिड़ गए। प्रारंभ में मामूली कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला तूल पकड़ गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। कुछ ही देर में धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई, जिससे मतदान केंद्र परिसर में तनाव फैल गया और मतदाताओं में भी भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और भारी संख्या में पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस ने सख्त रुख अपनाया और हंगामा कर रहे लोगों को खदेड़ दिया। पुलिस की तत्परता से हालात जल्द ही सामान्य हो गए।

प्रशासन ने संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है तथा मतदान प्रक्रिया को पुनः शांतिपूर्ण ढंग से शुरू कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। घटना के बाद क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त जारी है, ताकि दोबारा किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो और मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

गोड्डा व महागामा में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, 70.45 प्रतिशत तक मतदान

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा नगर परिषद एवं महागामा नगर पंचायत क्षेत्र में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के अंतर्गत मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ। गोड्डा नगर परिषद में कुल 64.13 प्रतिशत तथा महागामा नगर पंचायत में 70.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। मतदान के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने विभिन्न मतदान केंद्रों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान कर्मियों की उपस्थिति तथा मतदाताओं की कतार व्यवस्था का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की गई थी, जिससे मतदान प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। प्रशासन द्वारा पूरे दिन सतत निगरानी रखी गई और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। रैंप, व्हीलचेयर, पेयजल, शौचालय एवं छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। स्वयंसेवकों की सहायता से दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर मतदान कराया गया। महिला, युवा तथा प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में चलाए गए मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का सकारात्मक प्रभाव मतदान प्रतिशत में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं, मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों एवं संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

होली पर्व को लेकर छिपादोहर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

बरवाडीह। प्रखंड के छिपादोहर थाना परिसर में मंगलवार को अंचलाधिकारी लवकेश सिंह की अध्यक्षता में होली पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंचलाधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय रमजान का पवित्र महीना भी चल रहा है और होली का त्योहार भी निकट है। ऐसे में आपसी सद्भाव, भाईचारा और शांति बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं और किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही गई। बैठक के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुचिला मुखिया सतरोहन सिंह, छिपादोहर उपमुखिया दीपा देवी, ग्राम प्रधान मंदीप सिंह, दीपक कुमार, सकेंद्र उरांव, चलीतर प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

युवक के हत्या मामले में पुलिस ने दो लोगो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मेदिनीनगर। पड़वा थाना की पुलिस ने युवक के हत्या मामले में दो व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इस संबंध में पड़वा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया की बीती रात्री पड़वा थाना को सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम कोकरसा, टोला-तेलीयाही में एक व्यक्ति को चोरी के संदेह में पकड़कर बांधकर मारपीट किया जा रहा है। इस आशय का सन्हा दर्ज करते हुए गश्ती दल को घटना का सत्यापन व आवश्यक कारवाई हेतु भेजा गया। घटनास्थल पहुँचकर गश्ती दल के पदाधिकारी स०अ०नि० जितेन्द्र कुमार द्वारा बताया गया कि ग्राम कोकरसा, टोला तेलियाही के पारसनाथ मेहता के घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैट्री चोरी करने के संदेह में एक व्यक्ति पवन कुमार, पिता-मनोज राम, पता-ग्राम कोकरसा को पकड़कर दोनों हाथ-पैर बरामदा में लगे चौकी से बांधकर मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया है।तत्पश्चात उग्र ग्रामीणों को समझाते बुझाते पकड़कर रखे गए व्यक्ति पवन कुमार को ग्रामीणों से छुड़ाया गया। प्अस्पताल पहुँचने पर चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया।घटना के संदर्भ में मृतक के पिता मनोज राम द्वारा लिखित रूप से आवेदन प्राप्त होने पर पड़वा थाना कांड संख्या 13/2026, दिनांक-22/02/2026, धारा-103(2) दर्ज किया गया।अनुसंधान के क्रम में अभि० पारसनाथ मेहता से पुछताछ किया गया जिनके द्वारा स्वीकार किया गया कि दिनांक-21/02/2026 की रात्रि पवन कुमार चोरी-छिपे उनके घर किसी लड़की से मिलने आया था।

अज्ञात अपराधियों ने युवक को पीटने के बाद हाथ-पैर बांधकर कुएं में डाला,हालत गंभीर

गढ़वा। श्री बंशीधर नगर विलासपुर गांव निवासी 45 वर्षीय उमेश पासवान पिता दुखा पासवान को अज्ञात अपराधियों ने मारपीट कर उसके हाथ-पैर को बांध कर कुएं में डाल दिया।जिससे उमेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल उमेश पासवान का इलाज प्राइवेट सिटी अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में घायल उमेश पासवान ने बताया कि शाम करीब 6:30 बजे गांव के नदी की ओर से शौच कर वह घर लौट रहा था। तभी रास्ते में पीछे से आकर चार अज्ञात अपराधियों ने मारपीट कर जान मारने की नीयत से हाथ-पैर बांधकर कुएं में डाल दिया। सूचना मिलने पर घर वाले उमेश को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराए है।जहां उसका इलाज चल रहा है।वही इस घटना के बाद परिजनों के द्वारा श्री बंशीधर नगर उटारी थाना में मामला दर्ज करा दिया गया है। मामला दर्ज होने के बाद से पुलिस घटना से संबंधित मामले की छानबीन में जुट गई है।

शिक्षित व संगठित होगा चंद्रवंशी समाज : कौशल किशोर बचन

झारखंड दर्शन संवाददाता

तरहसी। तरहसी प्रखंड के सिलदिलीया कला गांव में चंद्रवंशी समाज द्वारा होली मिलन समारोह सह बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उमेश चंद्रवंशी ने किया और उपस्थित लोगों का माला पहनाकर स्वागत किया। बैठक में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कौशल किशोर बचन एवं स्वामी रणधीर जी महाराज ने संयुक्त रूप से महाराज जरासंध जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर समाज के शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वामी रणधीर जी

महाराज ने कहा कि समाज को अंधविश्वास और नशाखोरी से दूर रहकर अच्छे संस्कारों को अपनाना चाहिए। अच्छे संस्कारों से ही सुदृढ़ परिवार और सशक्त समाज का निर्माण होता है। कौशल किशोर बचन ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना समाज अधूरा है और हमें हर हाल में अपने बच्चों को शिक्षित करना होगा। उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि हम संगठित रहेंगे तो हमारी पहचान मजबूत होगी। सिलदिलीया कला गांव में संख्या कम होने के बावजूद एकजुटता का उदाहरण प्रस्तुत किया गया है।बैठक में समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से कौशल किशोर बचन को विधानसभा स्तरीय नेता के रूप में चुना। अतिथि वीरेंद्र वर्मा ने कहा कि चंद्रवंशी समाज किसी से कमजोर नहीं है और जल्द ही अन्य क्षेत्रों में भी एकजुट होकर बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा। कार्यक्रम के अंत में राजेश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह में वीरेंद्र चंद्रवंशी, सुरेश चंद्रवंशी, राकेश कुमार, आदर्श सिंह, गिरजा राम, उमेश कुमार, पूनम देवी, रिकी देवी, खुशबू देवी, कपूर बाला, उषा देवी, पूजा देवी, आरती, गनिता, श्रद्धा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

एनडीपीएस मामले में मो. नवाज अंसारी को 15 वर्ष का सश्रम कारावास

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर स्थित पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राम शर्मा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 31/2024 में आरोपी मो. नवाज अंसारी को दोषी करार देते हुए 15 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 30 नवंबर 2024 को लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के करमा गांव स्थित आरोपी के घर से 100 मिलीलीटर की 900 बोतल नशीला कफ सिरप बरामद किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की थी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। इस संबंध में लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 130/2024 के तहत स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 21(सी) एवं 22(सी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए कठोर दंड सुनाया।

पलामू में नारी शक्ति का सुपर मॉडल, अरुणा शंकर ने प्रशासनिक चौकड़ी को सराहा

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के प्रशासनिक इतिहास में यह एक अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण है, जब जिले की कमान एक साथ चार सशक्त एवं सक्षम महिला अधिकारियों के हाथों में है। मेदिनीनगर नगर निगम चुनाव के दौरान जिस शांति, निष्पक्षता, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने नारी सशक्तिकरण की एक नई परिभाषा गढ़ दी है। यह बातें मेदिनीनगर नगर निगम चुनाव की महापौर प्रत्याशी अरुणा शंकर ने कही।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाने में जिला प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही है। विशेष रूप से प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय, उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा के नेतृत्व, समन्वय और कार्यकुशलता ने पूरे जिले में

विश्वास का वातावरण कायम किया। अरुणा शंकर ने इन सभी अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्हें धन्यवाद संदेश प्रेषित किया।

उन्होंने कहा कि चुनाव जैसे संवेदनशील कार्य को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासनिक क्षमता की बड़ी परीक्षा होती है, जिसमें पलामू प्रशासन पूरी तरह सफल रहा। मतदान के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, विधि-व्यवस्था पर कड़ी नजर और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता ने मतदाताओं के मन में भरोसा जगाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस पारदर्शिता और शुचिता के साथ मतदान संपन्न हुआ है, उसी प्रकार आगामी 27 फरवरी को मतगणना भी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होगी। अरुणा शंकर ने कहा कि एक साथ चार शीर्ष प्रशासनिक पदों पर महिलाओं की उपस्थिति न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता को दशार्ती है, बल्कि यह समाज की आधी आबादी के लिए प्रेरणा का सशक्त संदेश भी है। इससे यह सिद्ध होता है कि महिलाएं नेतृत्व, निर्णय क्षमता और संकट प्रबंधन में किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों के सामंजस्यपूर्ण कार्य और दृढ़ नेतृत्व ने जिले में कानून-व्यवस्था तथा प्रशासनिक अनुशासन का नया मानक स्थापित किया है, जो आने वाले समय में भी मार्गदर्शक साबित होगा।

वन्दे मातरम राष्ट्रीय चेतना का अमर मंत्र, मेदिनीनगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज द्वारा वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेदिनीनगर स्थित राजकीयकृत ब्राह्मण प्लस टू उच्च विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम एवं स्वच्छ भारत अभियान विषय पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प और कन्या पूजन के साथ हुई। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव कुमार पुष्कर ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि वन्दे मातरम् राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने और मातृभूमि के प्रति समर्पण भाव को सुदृढ़ करने वाला अमर मंत्र है। पर्यावरणविद् एवं वनराखी आंदोलन के प्रणेता कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण संतुलन पर चिंता व्यक्त करते हुए वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

किया। वरिष्ठ पत्रकार प्रभात मिश्र सुमन ने वन्दे मातरम के ऐतिहासिक महत्व और पलामू से उसके संबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के बड़े भाई संजीव चट्टोपाध्याय पलामू में मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने पलामू नामक प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत लिखा था। पत्रकार सतीश चंद्र मिश्र सुमन ने कहा कि वन्दे मातरम् हमें राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् का गान किया गया तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। निबंध, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संतोष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्राचार्य डॉ० सतीश कुमार दुबे ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

चतरा प्लेन क्रैश,लातेहार के पायलट विवेक भगत ने भी गंवाई जान, पिता धूमधाम से करना चाहते थे शादी, पूरे गांव में पसरा मातम

झारखंड दर्शन संवाददाता

लातेहार। चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के जंगल में सोमवार की रात हुए प्लेन क्रैश में जिस पायलट विवेक विकास भगत की मौत हुई है, वह लातेहार सदर थाना क्षेत्र के लूटी गांव के रहने वाले थे. इंजीनियर देवसहाय भगत के इकलौते पुत्र विवेक विकास भगत होनहार होने के साथ व्यवहार कुशल इंसान भी थे. उनके निधन से पूरे लातेहार जिले में मातम का माहौल है।दरअसल, लातेहार के लूटी गांव निवासी देव सहाय भगत वर्तमान में चतरा जिले के ग्रामीण कार्य विभाग में कार्यपालक अभियंता के रूप में कार्यरत हैं. बीती रात जिस विमान की दुर्घटना हुई, उसके पायलट विवेक विकास भगत ही थे. देर रात जैसे ही लोगों को पता चला कि इस क्रूर विमान

भगत लातेहार के लूटी गांव स्थित अपने आवास पर ही थे. घटना की जानकारी मिलने के बाद तो जैसे उन पर बिजली गिर गई. वे तुरंत कुछ अन्य ग्रामीणों के साथ घटनास्थल की ओर रवाना हो गए।इधर, इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है. स्थानीय लोगों क कहना है कि पायलट होने के बावजूद विवेक विकास भगत अपने पिता देव सहाय भगत के समान ही मिलनसार और व्यवहार कुशल थे. लातेहार झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष आर्सेन तिर्की ने कहा कि विवेक विकास भगत के निधन से पूरा समाज मर्माहत है।जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने कहा कि विवेक अपने पिता के समान ही व्यवहार कुशल और समाज के साथ रहने वाला युवक था. अपने पिता के एकलौता पुत्र होने के कारण उनके पिता धूमधाम से उनकी शादी करना चाहते थे. परंतु विमान दुर्घटना ने उन्हें हमसे छीन लिया।विवेक के रिश्ते के मामा सर्वजीत उरांव ने कहा कि विवेक विकास भगत का जाना संपूर्ण समाज के लिए दुखद है. मुखिया रवि भगत ने कहा कि विवेक एक ऐसा होनहार युवक था, जिस पर हम सभी को गर्व था. परंतु आज क्रूर काल ने विवेक को हमसे छीन लिया।

नेशनल लोक अदालत को लेकर सीजेएम ने की बैठक, अधिकाधिक मामलों के निस्तारण का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार आगामी 14 मार्च, शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने और अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राम शर्मा के निर्देश पर मंगलवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार ने अपने कक्ष में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित वादों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत आम जनता को सुलभ, सरल और त्वरित न्याय प्रदान करने का

सशक्त माध्यम है। इसलिए सुलह योग्य मामलों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निष्पादित करने की दिशा में ठोस पहल की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय में लंबित लिटिगेशन से संबंधित मामलों के निस्तारण में और अधिक सजगता बरतने की आवश्यकता है, ताकि अधिकाधिक मामलों का निष्पादन संभव हो सके। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। बैठक में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुशीला सोरेंग, सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि शंकर पांडेय, एस. के. गौतम, सोनम बिश्नोई, निशिकांत, शंभू महतो, निर्भय प्रकाश, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी प्रज्ञेष निगम, निबंधक कमल प्रकाश, सिविल जज जूनियर डिवीजन रोजलिना बारा, समीरा खान, रश्मि चंदेल सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने लोक अदालत को सफल बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने का संकल्प लिया।

माता शबरी के पदचिह्नों पर चलने की आवश्यकता : अभय भुईयां

झारखंड दर्शन संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के ग्राम लिधकी पूर्व में माता शबरी जयंती सह मेला का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद प्रत्याशी सह अधिवक्ता अभय कुमार भुईयां ने फीता काटकर किया। शबरी पूजा सह मेला समिति के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में अभय भुईयां ने कहा कि माता शबरी त्याग, समर्पण और अटूट भक्ति की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि माता शबरी ने भगवान राम के प्रति जिस निस्वार्थ प्रेम और सेवा भावना का परिचय दिया, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। आज आवश्यकता है कि हम उनके पदचिह्नों पर चलें और अपने जीवन में सेवा, समर्पण तथा त्याग की भावना को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि जब तक समाज अंधविश्वास और नशाखोरी जैसी बुराइयों को त्यागकर शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देगा, तब तक समुचित विकास संभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से समाज सुधार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बंका जंगल में हरे पेड़ों की अवैध कटाई जारी, ग्रामीणों ने वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत लादी वादी गांव स्थित बंका जंगल में इन दिनों अवैध रूप से हरे-भरे पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से जारी है। इसको लेकर ग्रामीणों में गहरी चिंता और आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी तत्व भी सुनियोजित तरीके से जंगल में प्रवेश कर हरे पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार प्रतिदिन सुबह और शाम के समय कुछ लोग समूह बनाकर जंगल में

पहुंचते हैं और बड़े पैमाने पर पेड़ों को काटकर ट्रैक्टर अथवा अन्य साधनों से बाहर ले जाते हैं। कटाई की यह प्रक्रिया लगातार जारी रहने से जंगल का क्षेत्रफल तेजी से सिमट रहा है। इससे न केवल हरित आच्छादन कम हो रहा है, बल्कि वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। जंगल के पहाड़ी हिस्सों से भी हरे पेड़ों को काटे जाने की बात सामने आई है।ग्रामीणों ने बताया कि बंका जंगल आसपास के कई गांवों के लिए जीवनरेखा के समान है। इसी जंगल से क्षेत्र को स्वच्छ वायु मिलती है, वर्षा जल का संरक्षण होता है तथा भू-जल स्तर संतुलित रहता है। इसके अलावा ग्रामीणों को ईंधन, चारा और अन्य प्राकृतिक संसाधन भी इसी जंगल से प्राप्त होते हैं। यदि जंगल का इसी प्रकार दोहन जारी रहा तो आने वाले समय में जल संकट, तापमान में वृद्धि और सूखे जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तत्काल विशेष छापेमारी अभियान चलाकर अवैध कटाई में संलिप्त लोगों की पहचान की जाए तथा उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही जंगल क्षेत्र में नियमित गश्ती बढ़ाने और निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ करने की भी मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे सामूहिक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस संबंध में हरिहरगंज वन क्षेत्र के फॉरेस्टर अजय कुमार ने बताया कि जंगल से सटे गांवों के लोगों से संपर्क कर पेड़-पौधों की कटाई नहीं करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि अवैध कटाई में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी तथा जंगल की सुरक्षा के लिए गश्ती तेज की जाएगी।

देवरी नदी में अवैध बालू उठाव से प्राकृतिक स्वरूप पर संकट, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड क्षेत्र की देवरी नदी इन दिनों अवैध बालू उठाव के कारण गंभीर संकट का सामना कर रही है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार प्रतिदिन ट्रैक्टरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर बालू की निकासी की जा रही है, जबकि देवरी नदी अधिकृत बालू घाटों की सूची में शामिल नहीं है। इसके बावजूद खुलेआम बालू उठाव जारी रहने से लोगों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि अनियंत्रित बालू खनन से नदी का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बदल रहा है। नदी की गहराई और धार में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है, जिससे तटों का कटाव बढ़ने की आशंका है। इसके अलावा आसपास के खेतों की

उर्वरता और भू-जल स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो गर्मी के मौसम में जलस्तर और नीचे चला जाएगा, जिससे पेयजल संकट गहरा सकता है। पर्यावरण प्रेमियों ने चेतावनी दी है कि अवैध बालू उठाव से न केवल नदी की पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से अविलंब हस्तक्षेप कर अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग द्वारा नियमित जांच अभियान चलाया जाए, दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों को रोकने के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका: कुलपति

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की सशक्त नींव उसके विद्यार्थी होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने, अपनी दक्षता बढ़ाने और प्रत्येक कार्य में निपुण बनने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. विजय कुमार मंगलवार को विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की नींव को मजबूत बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और हमें 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित होना चाहिए। कुलपति ने टीम भावना के साथ खेलने, विश्वविद्यालय का प्रत्येक स्तर पर गौरव बढ़ाने तथा स्वयं को शारीरिक रूप से फिट रखते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। सीडीएलयू के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा जताई कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहें और अन्य युवाओं को भी खेलों से जोडकर जागरूक करें।

एआईयू ने डोप टेस्ट से भागने पर पूजा आत्माराम पर लगाया तीन साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम पर एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने डोप टेस्ट से बचने के मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। एआईयू ने अपने विस्तृत फैसले में घटना का पूरा क्रम बताते हुए कहा कि खिलाड़ी ने परीक्षण की औपचारिक सूचना मिलने के बाद सैंपल देने से इनकार किया और चैपरॉन से बचकर भीड़ में भाग गईं। एआईयू के बयान के अनुसार एथलीट को रेस समाप्त होते ही डोपिंग कंट्रोल अधिकारी द्वारा मौखिक रूप से परीक्षण के लिए सूचित किया गया था, लेकिन उन्होंने डोपिंग कंट्रोल फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं किए। इसके बाद उन्हें चैपरॉन के साथ डोपिंग कंट्रोल स्टेशन ले जाया जा रहा था, तभी वह अचानक विपरीत दिशा में भाग गईं और भीड़ में गायब हो गईं। एआईयू ने आगे कहा चैपरॉन ने उनका पीछा किया, लेकिन भीड़ के कारण वह नजरों से ओझल हो गईं। इसके बाद डोपिंग कंट्रोल अधिकारी और रेस डायरेक्टर ने फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के विश्वसनीय डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह को भारत के लिए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच (कैप) पूरे करने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट चरण में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के तीसरे मुकाबले में स्पेन के खिलाफ मैदान पर उतरते ही हासिल की। पंजाब के अमृतसर जिले के राजधान गांव से ताल्लुक रखने वाले जर्मनप्रीत सिंह ने अपनी सजग रक्षण कला, संयम और खेल की समझ के दम पर भारतीय टीम में खुद को एक मजबूत स्तंभ के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने 2018 में नीदरलैंड में आयोजित पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, जहां भारत उपविजेता रहा था। यहीं से उनके सफल अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत हुई। उनके करियर का एक स्वर्णिम क्षण तब आया जब उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में विशेष मानी जाती है और इससे टीम में उनकी अहमियत और मजबूत हुई।

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप का पूरा कार्यक्रम घोषित, 12 जून से इंग्लैंड में होगा आगाज

● नीदरलैंड की टीम पहली बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में भाग लेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के पूरे कार्यक्रम की घोषणा कर दी। टूर्नामेंट का 10वां संस्करण 12 जून से 5 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा महिला टी20 विश्व कप होगा।

मेजबान इंग्लैंड 12 जून को उद्घाटन मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा। 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर आयरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच ऑल-यूरोपीय मुकाबला खेला जाएगा। 20 जून को हेडिंग्ले मैदान पर इंग्लैंड और स्कॉटलैंड आमने-सामने होंगे। यह पहला अवसर होगा जब दोनों टीमें इंग्लैंड की धरती पर किसी आईसीसी प्रतियोगिता में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। हाल ही में नेपाल में आयोजित आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर के जरिए बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। अब ये चारों टीमें गत चैंपियन न्यूजीलैंड, 2009 की पहली विजेता इंग्लैंड, 2016 की चैंपियन वेस्टइंडीज, मौजूदा एकदिवसीय विश्व कप विजेता भारत और छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ खिताबी दौड़ में शामिल होंगी। नीदरलैंड की टीम पहली बार आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में भाग लेगी और अपने अभियान की शुरूआत बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। बांग्लादेश ने क्वालीफायर टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए जगह बनाई थी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा कि महिला टी-20 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम की घोषणा वैश्विक खेल आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट में भागीदारी विस्तार, उच्च प्रदर्शन ढांचा, आयोजन और प्रसारण मानक, पुरस्कार राशि, मीडिया वितरण और व्यावसायिक साझेदारियों के माध्यम से निरंतर निवेश कर रहा है, ताकि इस खेल को विश्वभर में अधिक पहचान और लोकप्रियता मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में आयोजित महिला क्रिकेट विश्व कप ने रिकॉर्ड तोड़े और नई प्रेरणा दी, और आईसीसी जून-जुलाई में होने वाले इस टूर्नामेंट में उसी गति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 5 जुलाई को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

शतरंज महोत्सव में खिताब का सूखा खत्म करने उतरेंगे डी. गुकेश

प्राग (चेक गणराज्य)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश बुधवार से शुरू हो रहे प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव में भारत की चुनौती की अगुवाई करते हुए 2026 में अपनी पहली बड़ी सफलता हासिल करने की उम्मीद के साथ उतरेंगे। विश्व कप में शुरूआती बाहर होने और टाटा स्टील मास्टर्स में साधारण प्रदर्शन के बाद गुकेश इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में वापसी की राह तलाशेंगे। युवा लेकिन बेहद प्रतिस्पर्धी फील्ड में दूसरी वरीयता प्राप्त गुकेश के सामने शीर्ष वरीय जर्मनी के विन्सेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव जैसी मजबूत चुनौतियां होंगी। हालिया प्रतियोगिताओं के नतीजों को देखें तो कीमर और अब्दुसत्तोरोव का प्रदर्शन गुकेश से बेहतर रहा है। लाइव रेटिंग में कीमर चौथे स्थान पर हैं, उनके ठीक पीछे अब्दुसत्तोरोव हैं, जबकि गुकेश 10वें स्थान पर रहते हुए शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं।

आमने-सामने होंगे फ्लॉयड मेवेदर और मैनी पैकियाओ

लॉस एंजिलिस। एजेंसी

दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ ने अपने चर्चित 2015 मुकाबले के रीमैच पर सहमति जता दी है। दोनों महान खिलाड़ी 19 सितंबर को लास वेगास में एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला लास वेगास के अत्याधुनिक वेन्यू स्फीयर में आयोजित किया जाएगा और इसे नेटफ्लिक्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। करीब 49 वर्ष के मेवेदर ने हाल ही में नौ साल के प्रतिस्पर्धी संन्यास को समाप्त करने की घोषणा की थी। वहीं 47 वर्षीय पैकियाओ भी चार

साल के अंतराल के बाद दोबारा रिंग में लौटे हैं। दोनों मुक्केबाजों ने अभी तक रीमैच के लिए वजन वर्ग और राउंड की संख्या की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि 2015 में हुए उनके पहले मुकाबले में मेवेदर ने निर्णायक जीत दर्ज की थी। हालांकि वह मुकाबला लंबे समय से बनी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया, लेकिन कमाई के मामले में उसने पे-पर-व्यू के कई रिकॉर्ड तोड़े थे और वैश्विक स्तर पर भारी चर्चा बटोरी थी। मेवेदर ने बयान में कहा कि नतीजा पहले जैसा ही रहेगा, जबकि पैकियाओ ने दावा किया कि पिछली बार वह चोट के बावजूद लड़े थे और इस बार प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ी अपने करियर के चरम से आगे निकल चुके हैं, लेकिन लोकप्रियता के मामले में आज भी दुनिया के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। ऐसे में सितंबर में होने वाला यह रीमैच बॉक्सिंग जगत की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक माना जा रहा है।

दुबई चैंपियनशिप 2026: अलियासिम ने छह मैच प्वाइंट के बाद जीता मुकाबला

दुबई। दुबई चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में शीर्ष वरीय खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को सोमवार को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। एटीपी 500 टूर्नामेंट के इस मुकाबले में उन्होंने झांग झिझेन को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया, लेकिन जीत दर्ज करने के लिए उन्हें छह मैच प्वाइंट लेने पड़े। मैच के बाद ऑगर-अलियासिम ने स्वीकार किया कि लगातार मैच प्वाइंट गंवाने से मानसिक दबाव बढ़ गया था। पिछले सीजन में दुबई में उपविजेता रहे कनाडाई खिलाड़ी इस वर्ष शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने मोंटपेलियर में खिताब जीता और रॉटरडैम में फाइनल तक पहुंचे। अब उनका अगला मुकाबला जियोवानी मपेत्शी पेरिकार्ड से होगा, जिन्होंने कड़े मुकाबले में मोएज एशारगुई को हराया। स्विट्जरलैंड के अनुभवी स्टार स्टैन वावरिंका ने अपने विदाई सत्र में बेंजामिन हसन को 7-5, 6-3 से मात दी। स्टेडियम में उनके हमवतन और दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर भी मौजूद थे, जिन्होंने दुबई में आठ बार खिताब जीता है। 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद वावरिंका की यह टूर स्तर पर 10वीं जीत है, जो ओपन एरा में एक रिकॉर्ड है। वहीं ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने लगभग छह महीने बाद एटीपी टूर में वापसी करते हुए क्वेंटिन हलीस को 7-6 (10-8), 6-3 से हराया।

हेटमायर के 85 और मोती के 4 विकेट से वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदा

मुंबई। एजेंसी

शिमरॉन हेटमेयर की तूफानी 34 गेंदों में 85 रन की पारी और गुडाकेश मोती के चार विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। स्पिन को मदद दे रही पिच पर हेटमायर ने सात चौके और सात छक्के जड़ते हुए 34 गेंदों में 85 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 254/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च और टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। नंबर-2 पर बल्लेबाजी करते हुए हेटमायर ने महज 19 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर वेस्टइंडीज के लिए टी20 विश्व कप का सबसे तेज पचासा जड़ा। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रिस गेल (23 गेंद, 2009) के नाम था। हेटमायर ने कप्तान रोवमन पॉवेल (35 गेंद में

59 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। दोनों ने सिर्फ 45 गेंदों में 100 रन जोड़कर मैच पूरी तरह एकतरफा बना दिया।

255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की शुरूआत बेहद खराब रही और टीम तीसरे ओवर में 20/3 पर सिमट गई। कप्तान सिकंदर रजा ने 20 गेंदों में 27 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि ब्रैड इवांस ने 21 गेंदों में 43 रन की आक्रामक पारी खेली। इसके बावजूद रन रेट का दबाव बहुत ज्यादा था और पूरी टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई। लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराने वाली जिम्बाब्वे के लिए यह करारा झटका रहा। गेंदबाजी में गुडाकेश मोटी ने 4/28 के शानदार आंकड़े दर्ज किए। अकील होसैन (3/28) और मैथ्यू फोर्ड (2/27) ने बेहतरीन साथ दिया।

इस बड़ी जीत से वेस्टइंडीज का नेट रन रेट +5 से ऊपर पहुंच गया है, जिससे सेमीफाइनल की दौड़ और रोमांचक हो गई है। हालांकि यह मुकाबला पूरी तरह हेटमायर के नाम रहा, जिनकी विस्फोटक पारी ने वेस्टइंडीज को खिताब की प्रबल दावेदारों में ला खड़ा किया है।

सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम 18 से 22 मार्च तक करेगा इंडियन ओपन स्क्वैश की मेजबानी

मुंबई। एजेंसी

भारत में पेशेवर स्क्वैश के बढ़ते कद को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से इंडियन ओपन के 2026 संस्करण की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। टूर्नामेंट 18 से 22 मार्च तक मुंबई के ऐतिहासिक सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष प्रतिष्ठित बॉम्बे जिमखाना में सफल आयोजन के बाद अब प्रतियोगिता अपने दूसरे संस्करण के लिए ब्रेबोर्न स्टेडियम में स्थानांतरित हो रही है। प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) द्वारा मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट का 2025 संस्करण वर्ष के शीर्ष 10 प्रतिष्ठित पीएसए आयोजनों में शामिल रहा था, जो भारतीय स्क्वैश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गई। 2026 संस्करण में महिला वर्ग की गत चैंपियन अनाहत सिंह खिताब बचाने के इरादे से वापसी करेंगी। इसके अलावा भारत के शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी रमित टंडन, अभय सिंह, वीर चोत्रानी, वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा भी प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में याह्या एलनवासानी, हाना मोआताज और माजेन हेशाम सहित अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे, जिससे मुकाबले का स्तर बेहद प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। इस वर्ष पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 44,500 अमेरिकी डॉलर की समान पुरस्कार राशि दी जाएगी, जो भारत में आयोजित किसी भी स्क्वैश टूर्नामेंट के लिए पहली बार है। पीएसए कॉपर श्रेणी के इस आयोजन से पेशेवर स्क्वैश सर्किट में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा स्पष्ट

होती है। दिव्यांशु सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने कहा कि पिछले संस्करण को मिली शानदार प्रतिक्रिया से वे बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में स्क्वैश के पदार्पण के साथ भारत में इस खेल के लिए यह निर्णायक समय है।

ऐसे मंच खिलाड़ियों को घरेलू सरजमीं पर विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव देते हैं। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा कि यह टूर्नामेंट उभरते खिलाड़ियों के लिए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का महत्वपूर्ण अवसर बन चुका है। स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा कि जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन तेजी से पीएसए कैलेंडर का अहम हिस्सा बनता जा रहा है और इससे भारत में स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ रही है।

व्यापार

कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ने मुंबई में नया विकास कार्यालय खोला

नई दिल्ली। एजेंसी

कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ने मंगलवार को मुंबई में अपना डेवलपमेंट ऑफिस खोला है। इसका उद्घाटन राजनेता शाइना एनसी ने किया। इस दौरान कासाग्रैंड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अरुण एमएन और सीनियर मैनेजमेंट टीम के लोग भी मौजूद रहे। कंपनी ने एक बयान में बताया कि लोअर परेल स्थित पेनिनसुला बिजनेस पार्क के टावर बी की 11वीं मंजिल पर स्थित यह कार्यालय पश्चिमी भारत में कैसाग्रैंड के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कासाग्रैंड दक्षिण भारत का एक जाना-माना रेजिडेंशियल ब्रांड है। एक जनवरी 2017 से 30 जून 2025 के दौरान चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर में यह सबसे

बड़ा डेवलपर रहा है। कासाग्रैंड ब्रांड के तहत लग्जरी, मिड-रेंज और किफायती कैटेगरी में अपार्टमेंट और इंडिपेंडेंट विला ऑफर करती है। रियल एस्टेट सेक्टर में 22 साल के अनुभव के साथ कासाग्रैंड के पास चेन्नई, बेंगलुरु, कोयंबटूर, हैदराबाद, पुणे जैसे पांच प्रमुख भारतीय शहरों और दुबई में 180 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स और 8.8 करोड़ स्क्वायर फीट से ज्यादा के डेवलपमेंट का मजबूत पोर्टफोलियो है। प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड ऑफिस का पता है, 11वीं मंजिल, टावर इ, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-400013 है।

इस मौके पर कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन ने कहा मुंबई में हमारे नए डेवलपमेंट ऑफिस का उद्घाटन हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि इस विस्तार से पार्टनर्स, कंसल्टेंट्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी, साथ ही इस क्षेत्र में हमारे कामकाज में भी तेजी आएगी। कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर का सबसे बड़ा डेवलपर है।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 8.1 फीसदी रह सकती है जीडीपी ग्रोथ : एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में देश की सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 8.1 फीसदी के करीब रह सकती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मंगलवार को जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में देश की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8.1 फीसदी के करीब रहने का अनुमान जताया है। सरकार ने बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है, जिसके तहत जीडीपी के नए आंकड़े शुक्रवार, 27 फरवरी को जारी होंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय नए बेस ईयर 2022-23 के आधार पर जीडीपी के आंकड़े जारी करेगा। नया बेस ईयर डिजिटल

कॉमर्स और सर्विस सेक्टर के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से दर्शाएगा। मंत्रालय की ओर से जीडीपी के पहली अग्रिम अनुमान रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी मूडीज एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट यह संकेत देती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 15 फीसदी एकमुश्त टैरिफ से ग्लोबल ट्रेड और विशेष रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के व्यापारिक समीकरणों में बड़े बदलाव आ सकते हैं।

रेवा डायमंड ज्वेलरी का आईपीओ लॉन्च, चार मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। एजेंसी

ज्वेलरी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का 380 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 26 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर चार मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक कंपनी के इस आईपीओ को सिर्फ 0.05 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 367 रुपये से लेकर 386 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया

गया है, जबकि लॉट साइज 32 शेयर का है। रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को न्यूनतम एक लॉट यानी 32 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 12,352 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल इनवेस्टर्स इस आईपीओ में अधिकतम 16 लॉट यानी 512 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,97,632 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 98,44,559 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसमें एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 44.94 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।आईपीओ लॉन्चिंग के एक दिन पहले कल यानि सोमवार को रेवा डायमंड ज्वेलरी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 170.58 करोड़ रुपये की राशि जुटाने में सफलता हासिल की।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 25 फरवरी 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

नशे के अवैध कारोबार का विरोध करने पर हंगामा, महिला समेत 14 गिरफ्तार

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार का विरोध करने पर देर रात जमकर हंगामा हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक महिला सहित 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मोहल्ला सगरावाला, जगजीतपुर में स्थानीय लोगों ने नशे के कारोबार में संलिप्त एक महिला को रोक लिया। आरोप है कि महिला ने अपने नशेड़ी साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद वहां पहुंचे लोगों ने मोहल्लावासियों के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी और सड़क पर हंगामा करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी चौकी जगजीतपुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार करीब 14 व्यक्ति सड़क पर गाली-गलौज करते हुए उपद्रव कर रहे थे। राहगीरों के साथ अभद्रता की जा रही थी, जिससे यातायात भी बाधित हो रहा था। पुलिस की ओर से समझाने के बावजूद आरोपितों का हंगामा जारी रहा।

नूंह पुलिस ने दो साइबर अपराधी किए गिरफ्तार, अभियान रहेगा जारी

नूंह। नूंह जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नूंह पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव ख्वाजली कलां निवासी मोहम्मद हसीन और हसनपुर बिलोंडा निवासी मोहम्मद साकीर के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने मंगलवार को बताया कि साइबर अपराध रोकथाम अभियान के तहत पुलिस टीम शिकरावा बस अड्डा क्षेत्र में गश्त पर थी।

आठवीं की छात्रा की हत्या का खुलासा, युवक डिटेन, दुष्कर्म की आशंका

बीकानेर। जिले के एक गांव में आठवीं बोर्ड परीक्षा देने जा रही 13 वर्षीय बालिका की हत्या के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को डिटेन किया है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने छात्रा की गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस ने दुष्कर्म की आशंका भी जताई है, हालांकि यह घटना मौत से पहले हुई या बाद में, इसकी पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मामले का विस्तृत खुलासा प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया जाएगा। जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि 21 फरवरी को 13 वर्षीय बालिका अपने घर से ढाणी होते हुए आठवीं बोर्ड की परीक्षा देने के लिए निकली थी।

इक्वाडोर में सात लोगों की गोली मारकर हत्या

क्विटो (इक्वाडोर)। दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर के एक गांव में सैन्य वर्दी धारी हथियारबंद लोगों ने कम से कम सात लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को पश्चिमी इक्वाडोर के एक गांव में हुई। यह ड्रग्स से जुड़ी हिंसा की नई घटना है। द वाशिंगटन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इक्वाडोर ड्रग हिंसा से जूझ रहा है। इक्वाडोर में ऐसे हमले अकसर होते रहते हैं। यह हत्यागांड मनाबी गांव में हुआ। राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने ड्रग विरोधी अभियानों की कमान सेना को सौंपी है। बावजूद इसके हिंसा नहीं थम सकी है। पुलिस ने कहा कि सोमवार का हमला तड़के हुआ और सात लोग गोली लगने से मर गए। मृतकों में 16 साल का एक लड़का भी है।

संसदीय चुनाव के लिए चीन से 40 लाख यूएस डॉलर का सहयोग स्वीकार करेगा नेपाल

काठमांडू। नेपाल सरकार ने आसन्न संसदीय चुनाव में सहयोग के लिए चीन की ओर से दी जाने वाली 40 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 58 करोड़ नेपाली रुपये) की आर्थिक सहायता स्वीकार करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में अनुमोदन के बाद संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सरकार के प्रवक्ता तथा गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने मंत्रिपरिषद के फैसले के बारे में बताया कि यह सहायता द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रमों के अंतर्गत अनुदान के रूप में दी जा रही है, अर्थात इसे ऋण की तरह वापस नहीं करना होगा। गृहमंत्री अर्याल ने कहा कि 5 मार्च को होने वाले चुनाव में नेपाल सरकार ने अपने दोनों पड़ोसी देशों की सहायता लेने की नीति अपनाई है।

अवैध शराब के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

जींद। जिला जींद में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एवीटी स्टाफ ने एक गाड़ी से भारी मात्रा में अवैध देशी, अंग्रेजी शराब और बीयर सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। एवीटी स्टाफ जींद के इचार्ज उपनिरीक्षक यशवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि उनकी एक टीम मुख्य सिपाही जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में बस अड्डा झमोला पर गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि राजगढ़ की तरफ से एक गाड़ी अवैध शराब भर कर झमोला की तरफ आ रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने झमोला से राजगढ़ मार्ग पर तत्काल नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू कर दी।

ओबीसी वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं का उठाएं लाभ : डॉ. मोहन

हमीरपुर। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम कांगड़ा ने मंगलवार को ग्राम पंचायत जोल सप्पड़ के गांव सोहरी में ऋण जागरुकता शिविर आयोजित किया, जिसमें निगम के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन लाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए डॉ. मोहन लाल ने कहा कि पिछड़े वर्गों का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान सुनिश्चित करने तथा इन वर्गों के लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु निगम की ओर से विभिन्न ऋण एवं स्वरोजगार योजनाएं चलाई जा रही हैं। पात्र लोगों को इन योजनाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। डॉ. मोहन लाल ने बताया कि अपना कारोबार आरंभ करने के इच्छुक पिछड़ा वर्ग के लोगों को रियायती ब्याज दरों पर 10 लाख रुपये तक का टर्म लोन मिल सकता है। इसी प्रकार, इस वर्ग के बच्चों की उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए भी 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण का प्रावधान है। पिछड़ा वर्ग के बीपीएल परिवार की महिलाओं को स्वर्णिमा योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है। चिकित्सा क्लीनिक, नर्सिंग होम, लैब, वकील, आर्किटेक्ट, सीए और अन्य सेवाओं के कार्यालय स्थापित करने के लिए भी 10 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इन सभी योजनाओं के लिए 3 लाख रुपये से कम सालाना आय वाले पिछड़ा वर्ग के परिवारों के लोग पात्र हैं। इनकी आयु 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। डॉ. मोहन लाल ने बताया कि 36 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के बच्चों को 75 हजार रुपये तक ब्याज रहित ऋण दिया जाता है। इन सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय और अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास निगम के जिला प्रबंधक कार्यालय में भी उपलब्ध करवाई जाती है।

शिक्षा के राष्ट्रीय सूचकांक में 5वें स्थान पर पंहुचा हिमाचल : किशोरी

धर्मशाला। एजेंसी

पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ में मंगलवार को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्य अतिथि विधायक किशोरी लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, नवीन पाठ्यक्रम आरंभ करने तथा उच्च शिक्षा की पहुंच को सुदूर क्षेत्रों तक विस्तारित करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश शिक्षा के राष्ट्रीय सूचकांक में 21वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गया है, जो पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि महाविद्यालय बैजनाथ में एम.ए. के छह विषयों में अध्ययन की शुरूआत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन विषयों के शुरू होने से बैजनाथ तथा आसपास के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु महानगरों या दूरस्थ संस्थानों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

अमेरिका में बर्फीला तूफान, न्यूयॉर्क में 50 सेमी. बर्फबारी, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय बंद

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर और देश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में सोमवार को बर्फीले तूफान से कहर बरपा है। न्यूयॉर्क 50 सेंटीमीटर बर्फ गिरी है। इससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। स्कूलों को बंद कर दिया गया। बिजली आपूर्ति रोक दी गई है। सड़क परिवहन बंद है। आज लगभग 5,000 उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। शनिवार से मंगलवार तक 10 हजार से ज्यादा उड़ानों को रद्द किया जा चुका है। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को उत्तर पूर्वी अमेरिका में जबरदस्त बर्फबारी हुई। इससे लाखों लोग फंस गए। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। इससे हजारों यात्री फंस गए हैं। बर्फबारी से न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान हवाई अड्डा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने डेलावेयर से मैसाचुसेट्स तक आपात स्थिति घोषित की है। लाखों लोग बिन बिजली के रहने को मजबूर हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सोमवार को चेतावनी दी कि खतरनाक हालात बने रह सकते हैं। विभाग ने कहा भारी बर्फबारी और तेज हवाओं के कारण उत्तर-पूर्वी समुद्र तट पर बर्फीले तूफान की स्थिति बनी रहेगी। दृश्यता बहुत कम होने से इन इलाकों में सफर करना बहुत खतरनाक होगा। मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है। वैज्ञानिकों ने इसे 'बम चक्रवात' नाम दिया है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में तब होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।

उधर, कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। न्यूयॉर्क सिटी और बोस्टन ने सोमवार के लिए पब्लिक स्कूल की कक्षा रद्द कर दीं।

महिलाओं की सुरक्षा व अधिकारों के संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मनोज

नारनौल। एजेंसी

कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के तहत जिले के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों का मुख्य दायित्व कार्यस्थलों पर होने वाली शिकायतों को प्राप्त करना और उन्हें समयबद्ध तरीके से स्थानीय समिति तक पहुंचाना होगा। मंगलवार को जारी आदेशों में जिलाधीश एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आंतरिक शिकायत समितियों के गठन का सर्वे कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए। उन्होंने डीआईओ नारनौल को शी-बॉक्स पोर्टल और जिला वेबसाइट पर सभी नोडल अधिकारियों का विवरण अपडेट करने के आदेश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए की इंटरनल कंप्लेंट कमेटी का गठन तथा सी बॉक्स पोर्टल पर आईसीसी डिटेल अपलोड करने के लिए श्रम आयुक्त नारनौल स्थित रेवाड़ी का सहयोग करेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपायुक्त ने खंड स्तर पर नियुक्तियां की हैं। इसके तहत नारनौल, निजामपुर, नांगल चौधरी, अटेली, सिहमा, कनीना, महेंद्रगढ़ और सतनाली के संबंधित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों (बीडीपीओ) को अपने-अपने ब्लॉक का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ये अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली शिकायतों के लिए उत्तरदायी होंगे।

ऊना में भीषण सड़क हादसा, दो की मौत

ऊना। उपमंडल गगरेट के संघनई गांव में सोमवार बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिब सिंह पुत्र गुरनाम सिंह निवासी वार्ड नंबर 4 संघनई स्कूटी पर अपने साथी ईलम दीन पुत्र सुल्तान मुहम्मद निवासी वार्ड नंबर 2 संघनई के साथ जा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। जिसको बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने एक प्रत्यक्षदर्शी के बयान के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ बीएनएस एवं मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है।

लापरवाही ने हिमाचल की स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर संकट में धकेला : बिक्रम ठाकुर

धर्मशाला। एजेंसी

पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता बिक्रम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की लापरवाही और वित्तीय कुप्रबंधन ने हिमाचल की स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर संकट में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि पहले बड़े-बड़े मंचों से घोषणा की गई थी कि आधुनिक रोबोटिक सर्जरी जैसी सुविधा आम लोगों को राहत देने के लिए लाई जाएगी और इसे हिमकेयर के दायरे में शामिल किया जाएगा, लेकिन आज स्थिति यह है कि न केवल रोबोटिक सर्जरी की फीस बढ़ा दी गई है बल्कि सामान्य उपचार भी महंगा कर दिया गया है। यह सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के साथ विश्वासघात है, जिनके लिए ये योजनाएं जीवनरेखा मानी जाती थीं।

मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में बिक्रम ठाकुर ने कहा कि सरकार एक ओर मुफ्त इलाज का ढोल पीट रही है, वहीं दूसरी ओर आयुष्मान भारत और हिमकेयर के तहत अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा। करोड़ों रुपये की देनदारी लंबित होने के कारण कई अस्पताल योजनाओं के मरीजों को भर्ती करने से बच रहे हैं या फिर आधा-अधूरा इलाज कर उन्हें बाहर से दवाइयां और इंजेक्शन खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति सरकार की प्रशासनिक विफलता और आर्थिक कंगाली का परिणाम है, जिसका खामियाजा सीधे तौर पर आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई अस्पतालों में कैंसर, हृदय रोग, किडनी और अन्य गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाइयों की भारी कमी बनी हुई है।

मंदिर से दान पेटी चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार, नकदी बरामद

शिमला। छोटा शिमला स्थित मंदिर से दान पेटी चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के कब्जे से चोरी हुई दान पेटी और नकदी भी बरामद कर ली गई है। जिला पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जय प्रकाश (31) पुत्र जलम सिंह, निवासी गांव फागू, डाकघर कांडो, तहसील शिलाई, जिला सिरमौर के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है और मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस के मुताबिक यह मामला मंगलवार को सामने आया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह रोजाना की तरह सुबह करीब 5:30 बजे छोटा शिमला मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने दान पेटी को मंदिर के अंदर से निकालकर गेट के बाहर रख दिया और पूजा करने लगे। करीब एक घंटे बाद सुबह लगभग 6:30 बजे जब वह बाहर आए तो दान पेटी वहां से गायब थी। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। थाना पूर्व (ईस्ट) में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।

नारनौल: बच्चे समाज के सबसे कोमल और संवेदनशील सदस्य: डॉ मंगल सेन

नारनौल। एजेंसी

बच्चे समाज के सबसे कोमल और संवेदनशील सदस्य होते हैं। उन्हें सुरक्षित वातावरण देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। किशोर न्याय अधिनियम का उद्देश्य बच्चों का सुधार और पुनर्वास करना है। यह बात नगराधीश डॉ मंगल सेन ने मंगलवार को पंचायत भवन में पोक्सो एक्ट किशोर न्याय अधिनियम व साइबर क्राइम पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन से संबंधित पोस्टर भी जारी किया। नगराधीश डॉ मंगल सेन ने कहा कि जिसने 18 वर्ष पूरे नहीं किए हैं वह बच्चा है। बच्चों से संबंधित किसी भी घटना की रिपोर्ट करने के लिए टोल फ्री नंबर 1098 या 112 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के साथ होने वाले साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। सहायक जिला न्यायवादी नवीन श्योरान ने पोक्सो एक्ट, साइबर क्राइम थाना से एसआई इंद्रजीत ने साइबर क्राइम व सामाजिक कार्यकर्ता कमल ने किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जागरूक किया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप ने बताया कि किसी पीड़ित बालक या देखभाल व आवश्यकता वाले बालक का अखबार समाचार चैनल पर पहचान उजागर नहीं की जा सकती है। ऐसा करने वाले व्यक्ति को छह माह की सजा लाख जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी विशेश्वर कौशिक, सहायक जिला न्यायवादी रफीक, संरक्षण अधिकारी एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा, एलपीओ राजकुमार कोठारी, बाल संरक्षण अधिकारी संतोष कुमारी, बाल संरक्षण अधिकारी सुषमा, लेखाकार प्रेमलता के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक डीएस गब्रियल ने आगामी वित्तीय वर्ष की प्रस्तावित कार्ययोजना का विस्तृत विवरण रखा

677.75 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी, 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

● स्वरोजगार एवं आय सृजन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार करने के निर्देश

देहरादून। एजेंसी

मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में ग्रामीण वेग वृद्धि परियोजना (रीप) की उच्चाधिकार एवं मार्गदर्शन समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 677.75 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट को मंजूरी दे दी गई। मंगलवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में सचिव डीएस गब्रियल ने वर्ष 2025-26 की प्रगति एवं अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आगामी वित्तीय वर्ष की प्रस्तावित कार्ययोजना का विस्तृत विवरण रखा। स्वीकृत कार्ययोजना में स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन, आय सृजन गतिविधियों, स्थानीय संसाधन विकास, कृषि तथा सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। समिति ने संबंधित कार्यक्रमों को वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि परियोजना से लाभान्वित महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य योजनाओं से जोड़ा जाए और योजनाओं के बीच प्रभावी कन्वर्जेंस सुनिश्चित किया जाए। लाभार्थियों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समेकित कार्ययोजना तैयार करने और ठोस मॉनिटरिंग व्यवस्था विकसित करने पर बल दिया गया।

मुख्य सचिव ने समान प्रकृति के महिला स्वयं सहायता समूहों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार एवं आय सृजन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार करने के निर्देश भी दिए। वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में ध्यान में रखते हुए महिलाओं को वित्तीय, तकनीकी, पूंजीगत एवं संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की विस्तृत योजना बनाने को कहा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में अनुपयोगी पड़े ग्रोथ सेंटरों को सक्रिय करने पर भी बैठक में चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने ऐसे ग्रोथ सेंटरों की पहचान कर उन्हें 'हाउस ऑफ हिमालय' के माध्यम से प्रभावी उपयोग में लाने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण उद्यम त्वरण परियोजना (ग्रामोत्थान) राज्य के सभी जनपदों में ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ करने और पलायन रोकने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। परियोजना के तहत कृषि, गैर-कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े लघु उद्यमों को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। बैठक में अपर सचिव गिरधारी सिंह रावत, नवनीत पांडेय, झरना कमठान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को नई दिशा, राइड सर्विस से जुड़ेगा स्वरोजगार अभियान

यमुनानगर। एजेंसी

यमुनानगर जिला प्रशासन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू करने की तैयारी की है। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं को रोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। इसी उद्देश्य से सेवा विभाग द्वारा स्वरोजगार आधारित मॉडल पर कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत महिलाओं को आधुनिक परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाएगा। उपायुक्त प्रीति ने मंगलवार को बताया कि इस योजना के अंतर्गत बाइक टैक्सी और लॉजिस्टिक्स सेवाएं संचालित करने वाली कंपनी रैपिडो के साथ समझौता प्रस्तावित है। समझौते के बाद पात्र महिलाओं को कंपनी की सेवा में कैप्टन अथवा ड्राइवर के रूप में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इससे महिलाओं को सम्मानजनक आय के अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर होंगी।

उपायुक्त ने बताया कि प्रारंभिक चरण में जिले से लगभग 30 इच्छुक महिला लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए पात्रता मानदंड निर्धारित किए गए हैं। आवेदन करने वाली महिला का हरियाणा की स्थायी निवासी होना आवश्यक है। आवेदिका की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू, एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्टेमिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हर्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन ठीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा करोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते हैं कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बतायें कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वही पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़े इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कॉर्नफ्लेक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती है। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बैड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाए तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएगी।

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा है। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यत: पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741